ज्ञानामृत

लोहा गरम भले ही हो जाए पर हथौड़ा तो ठंडा रह कर ही काम कर सकता है।

सरदार पटेल

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | शहडोल, रविवार, 11 मई 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 134 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

विश्व की सबसे बड़ी ग्राउंड वॉटर रिचार्ज परियोजनाओं में शामिल ताप्ती बेसिन परियोजना का भोपाल में हुआ करार

सीएम यादव बोले- जीवन रेखा साबित होगी

दोनों राज्यों के बीच एक नए अध्याय की शुरुआत

विजय मत, भोपाल

विश्व की सबसे बड़ी ग्राउंड वॉटर रिचार्ज परियोजनाओं में शामिल ताप्ती बेसिन परियोजना को लेकर शनिवार को मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र सरकारों के बीच ऐतिहासिक एमओयू साइन हुआ। यह समझौता राजधानी भोपाल स्थित मंत्रालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में संपन्न हुआ। यह एमओयू मप्र-महाराष्ट्र अंतरराज्यीय नियंत्रण मंडल की 28वीं बैठक के दौरान मिंटो हाल में हुआ। वहीं मुख्यमंत्री निवास पर डॉ. मोहन यादव ने औपचारिक रूप से अगवानी की।

ताप्ती प्रोजेक्ट बनेगा निमाड़ की जीवन रेखा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ताप्ती बेसिन परियोजना के साथ ही दोनों राज्यों के बीच एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश नदियों का मायका है – यहां 247 नदियां बहती हैं, और अब गोदावरी और ताप्ती से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर मिलकर काम किया जाएगा।

राष्ट्रीय जल परियोजना घोषित कराएंगे: मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना को राष्ट्रीय जल परियोजना घोषित कराने के लिए केंद्र सरकार से चर्चा की जाएगी। ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना में 31.13 टीएमसी जल का उपयोग होगा।

फडणवीस ने कहा- 25 साल बाद फिर साथ आए दो राज्य

मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र—दोनों राज्यों को बड़ा फायदा मिलेगा

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने ताप्ती बेसिन परियोजना पर एमपी-महाराष्ट्र समझौते के दौरान कहा कि 25 साल बाद दोनों राज्यों की बोर्ड बैठक हुई है, पिछली बैठक साल 2000 में हुई थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के आने के बाद ही राज्यों के बीच जल समझौते दोबारा शुरू हुए हैं, जिससे न सिर्फ परियोजनाएं आगे बढ़ीं, बल्कि जल संकट से निपटने के प्रयास भी तेज हुए। फडणवीस ने कहा कि ताप्ती बेसिन परियोजना से मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र—दोनों राज्यों को बड़ा फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के अकोला, अमरावती सहित तीन जिलों में जहां खारा पानी है।

कुछ अन्य अहम मुद्दों पर भी चर्चा हुई

फडणवीस ने बताया कि ताप्ती बेसिन परियोजना पर एमओयू साइन करने के साथ ही बैठक में कुछ अन्य अहम मुद्दों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि जामघाट परियोजना पर वर्ष 1998 में बातचीत शुरू हुई थी।

न्यूज इन शॉर्ट

एमपी बोर्ड 10वीं-12वीं की द्वितीय परीक्षा के लिए पंजीकरण शुरू, 21 मई तक करें आवेदन

विजय मत, भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10वीं और 12वीं की द्वितीय परीक्षा 2025 के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। बोर्ड ने घोषणा की है कि 2024-25 शैक्षणिक वर्ष से पूरक परीक्षा को दूसरी परीक्षा से बदल दिया गया है। जो छात्र मुख्य परीक्षा के किसी भी विषय में अनुत्तीर्ण या अनुपस्थित रहे, वे इस परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। जो छात्र एमपी बोर्ड द्वितीय परीक्षा 2025 में शामिल होना चाहते हैं, वे आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। द्वितीय परीक्षा के लिए आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 21 मई है। एमपी बोर्ड की पहली परीक्षा के लिए पंजीकृत छात्र यदि एक या अधिक विषयों में उत्तीर्ण नहीं होते हैं या अनुपस्थित रहते हैं तो वे दूसरी परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

यूक्रेन 30 दिवसीय युद्ध विराम के लिए तैयार, रूस के साथ चल रही जंग थमने के आसार

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग थमने के आसार हैं। यूक्रेन और उसके सहयोगी 30 दिवसीय पूर्ण और बिना शर्त युद्ध विराम के लिए तैयार हो गए हैं। यूक्रेन के विदेश मंत्री ने बताया कि यह युद्ध विराम सोमवार से शुरू होगा। यूक्रेनी विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन और उसके सहयोगी सोमवार से कम से कम 30 दिनों के लिए रूस के साथ पूर्ण, बिना शर्त युद्ध विराम के लिए तैयार हैं। शनिवार को चार देशों फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी और पोलैंड के नेता यूक्रेन पहुंचे थे। इसमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर शामिल रहे।

देश के 20 राज्यों में आज आंधी-बारिश, मप्र-राजस्थान के 58 जिलों में चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के 20 राज्यों में आज शनिवार को आंधी और बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक- बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में तेज हवाओं के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश होगी। मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर, उज्जैन-जबलपुर समेत 40 से अधिक जिलों में आंधी, हल्की बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, राजस्थान के 18 जिलों में भी बारिश के आसार है। यूपी के 21 जिलों में शनिवार को बारिश होगी। शुक्रवार को प्रदेश के 15 जिलों में पारा 40 के करीब पहुंच गया है। अगले 48 घंटे में यूपी के सभी जिलों में अधिकतम तापमान 3-5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

नहीं मान रहा पाकिस्तान, 22 जगहों पर मुंह की खाई, और 3 घंटे बाद ही कर दी हिमाकत

नापाक ने तोड़ा सीजफायर, श्रीनगर में धमाके, बॉर्डर पर दिखे कई ड्रोन

नई दिल्ली, एजेंसी

जिस पाकिस्तान के एक के बाद एक सैन्य ठिकाने भारत की जवाबी कार्रवाई में निशाना बन रहे थे, उसका अचानक संघर्ष विराम के लिए राजी हो जाना किसी नाटकीय घटनाक्रम से कम नहीं था। शनिवार शाम 6 बजे भारत ने संघर्ष विराम की पुष्टि की थी और बताया कि पाकिस्तान की पहल पर बातचीत हुई और दोनों देश सीजफायर के लिए राजी हुए। ऐसा प्रतीत हुआ कि भारत का कड़ा रुख तो जारी रहेगा, लेकिन सरहदों पर हालात सामान्य हो जाएंगे। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं। पाकिस्तान अपनी फितरत से बाज नहीं आया और उसने संघर्ष विराम तोड़ने की हिमाकत कर दी। सबसे पहले श्रीनगर में धमाके सुने गए। नियंत्रण रेखा पर फायरिंग हुई। कच्छ जैसे इलाकों में ड्रोन देखे गए। पाकिस्तान ने सीमा से रेखा सटे इलाकों में एक बार फिर से फायरिंग शुरू कर दी है। इसके अलावा उधमपुर में धमाके की आवाज सुनी गई है। पाकिस्तान ने रात गहराते ही जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान से गुजरात तक के 26 इलाकों में फिर ड्रोन से हमला बोला। रात 8 बजे से पाकिस्तान की तरफ से जम्मू-कश्मीर के अखनूर, पुंछ, नौशेरा, श्रीनगर, आरएसपुरा, सांबा, उधमपुर में फायरिंग की जा रही है। राजौरी में शेलिंग (तोप और मोर्टार) की गई। उधमपुर में ड्रोन से हमला हुआ। फायरिंग के बाद से जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, पंजाब और गुजरात के बॉर्डर वाले जिलों में ब्लैकआउट कर दिया गया है।

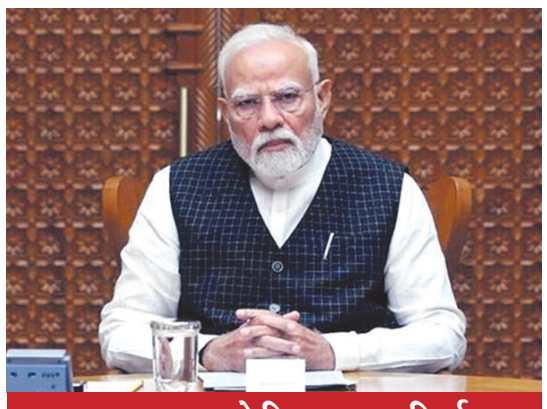

भारत सरकार ने लिया अहम निर्णय

भविष्य में किसी भी आतंकवादी कृत्य को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा

पाकिस्तान के साथ लगातार बढ़ रहे तनाव के बीच भारत सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया है कि देश में भविष्य में किसी भी आतंकवादी कृत्य को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। सरकारी सूत्र ने बताया कि भारत सरकार ने निर्णय लिया है कि भावी आतंकी वारदातों को युद्ध छेड़ने का प्रयास मानते हुए उसी के अनुसार जवाब दिया जाएगा। बता दें कि भारत इससे पहले भी स्पष्ट संकेत दे चुका है कि वह किसी भी आक्रामक गतिविधि या युद्ध जैसे हालात का सामना करने को तैयार है। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के अगले दिन यानी 8 मई की शाम मीडिया के सामने आई महिला सैन्य अधिकारी- कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका युद्ध वर्दी में नजर आई थीं। इसके बाद पीएम मोदी के साथ बैठकों में शीर्ष सैन्य अधिकारी- सेना प्रमुख भी कॉम्बैट यूनिफॉर्म में देखे गए।

कर्नल सोफिया बोलीं-पाक ने पंजाब एयरबेस पर मिसाइल दागी

भारत और पाकिस्तान एक दूसरे पर सैन्य कार्रवाई कर रहे हैं। विदेश और रक्षा मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मौजूदा हालात की जानकारी दी। शनिवार सुबह कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान ने हाईस्पीड मिसाइल से जम्मू-कश्मीर के उधमपुर, पंजाब के पठानकोट, आदमपुर और गुजरात के भुज एयरबेस पर हमला किया, जिसमें हमें नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान ने अस्पताल और स्कूल को भी निशाना बनाने की कोशिश की, जिसे भारत ने नाकाम कर दिया। ब्रह्मोस फैसिलिटी तबाह करने का पाकिस्तानी दावा गलत है। भारतीय एस-400 डिफेंस सिस्टम भी पूरी तरह सुरक्षित है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिसरी मौजूद थे।

भारत का व्यवहार संयमित और जिम्मेदारी भरा: एस जयशंकर

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बातचीत में कहा कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष में भारत का व्यवहार संयमित और जिम्मेदारी भरा है। दोनों नेताओं की फोन पर बातचीत ऐसे समय हुई जब पाकिस्तान द्वारा भारत के सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की गई, जिन्हें भारत ने नाकाम कर दिया। बातचीत में अमेरिकी विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्षों को तनाव कम करने और बातचीत शुरू करने की जरूरत है। रुबियो ने बातचीत में अमेरिका की मदद की पेशकश भी की।

नौशेरा में तुर्किए का ड्रोन बरामद

जम्मू-कश्मीर के नौशेरा इलाके के एक गांव में आज तुर्किए का ड्रोन बरामद हुआ। पाकिस्तान नागरिक इलाकों को निशाना बना रहा है।

पाक फायरिंग में मारे गए लोगों के परिवार को 10 लाख का मुआवजा

जम्मू-कश्मीर सरकार ने पाकिस्तान की गोलाबारी में मारे गए लोगों के परिवारों को 10 लाख रुपए की सहायता देने की घोषणा की।

इधर संघर्ष विराम कराने के अमेरिकी दावे को भारत ने नकारा

सहमति वाशिंगटन में हुई लंबी रात की कूटनीतिक बातचीत के बाद बनी: ट्रंप

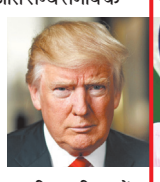

भारत और पाकिस्तान के बीच बीते कई दिनों से जारी सैन्य तनाव के बाद अब एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। दोनों देशों ने पूर्ण और तत्काल सीज़फायर (युद्धविराम) पर सहमति जता दी है। यह समझौता पाकिस्तान की पहल पर शुरू हुई सैन्य वार्ता और अमेरिका की मध्यस्थता से संभव हो पाया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस समझौते पर खुशी जताते हुए कहा, यह कदम दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति बहाल करने की दिशा में एक अहम प्रगति है। दोनों देशों ने कॉमन सेंस और परिपक्वता का परिचय दिया है। ट्रंप ने बताया कि यह सहमति वाशिंगटन में हुई लंबी रात की कूटनीतिक बातचीत के बाद बनी।

विदेश मंत्रालय ने कहा- सीजफायर में किसी तीसरे देश का कोई रोल नहीं

भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को रोकने का फैसले (सीजफायर) की जानकारी आने के बाद भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी और आईबी ने एक पोस्ट के जरिए बताया कि यह फैसला पूरी तरह से द्विपक्षीय है। इसमें किसी तीसरे देश का कोई रोल नहीं है। दरअसल शनिवार 10 मई शाम 6 बजकर 7 मिनट पर सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने एक ट्वीट किया। जिसमें कहा गया कि सीजफायर पर सहमति पूरी तरह से द्विपक्षीय है। यानी अमेरिका बीच में नहीं था। इस पोस्ट में बताया गया कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने शनिवार दोपहर में फोन पर बात की थी। जिसके बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी।

भारत-पाक तनाव के बीच भोपाल को मिलेगी

नई सिविल डिफेंस योजना, नगर निगम फायर सेफ्टी के लिए खरीदेगा ड्रोन

विजय मत, भोपाल

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच राजधानी भोपाल में 1971 के पुराने संस्करण की जगह एक अपडेटेड सिविल डिफेंस योजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने भोपाल नगर निगम और अधिकारियों को इस पर काम शुरू करने को कहा है। साथ ही आग से बचाव के लिए नगर निगम ड्रोन का उपयोग करेगा। दरअसल दो दिन पहले प्रमुख विभागों की भागीदारी वाली मॉक ड्रिल के दौरान कई उपकरण ठीक से काम नहीं कर रहे थे। आग से सुरक्षा बढ़ाने के लिए कलेक्टर ने बीएमसी को पुलिस द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले निगरानी ड्रोन के समान ड्रोन अपनाने के निर्देश दिए है। ये ड्रोन आग की घटनाओं के दौरान तेजी से आकलन और रणनीतिक योजना बनाने में मदद करेंगे। इसके साथ ही शहर के अग्नि सुरक्षा उपकरणों को 8-10 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से अपग्रेड किया जाएगा।

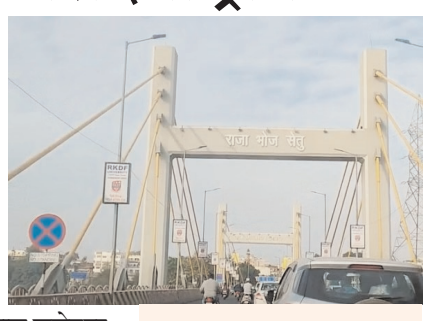

शहर के 10 फीसदी लोगों को करेंगे प्रशिक्षित

भोपाल शहर की कम से कम 10 फीसदी आबादी को बुनियादी आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। जिससे हर दसवां नागरिक सिविल डिफेंस स्वयंसेवक बन सके। कलेक्टर ने शहर भर में अस्पतालों, स्कूलों और सामुदायिक हॉलों सहित आश्रय गृहों की पहचान करने का भी आदेश दिया, जिन्हें सात क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक क्षेत्र के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) रिपोर्टिंग अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

शिवराज ने पाक से सटे जिलों में खेती किसानी की समीक्षा की

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को गुजरात, राजस्थान, पंजाब और जम्मू-कश्मीर राज्यों के सीमावर्ती जिलों के किसानों की खेती एवं उनके लिए उपलब्ध खाद- बीज और अन्य संसाधनों के संबंध में समीक्षा की। समीक्षा बैठक में केंद्रीय मंत्री ने इन जिलों के किसानों के कृषि संबंधी कार्यों की समुचित व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभी की परिस्थितियों में कई किसान भाइयों को सुरक्षा के कारणों से, उनकी खेती से दूर रखा गया है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र के हर राज्य के किसान की खेती की हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि खरीफ की फसल के लिए किसान की आवश्यकताओं का आंकलन किया जाएगा।

आरबीआई का एसबीआई पर एक्शन

1.72 करोड़ रुपये का लगाया जुर्माना, निर्देशों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) पर 1.72 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना आरबीआई के कुछ निर्देशों का ठीक से पालन नहीं करने पर लगाया है। यह जुर्माना बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 के तहत लगाया है। आरबीआई के बयान के अनुसार एसबीआई से आरबीआई के ऋण और अग्रिम वैधानिक व अन्य प्रतिबंध ग्राहक संरक्षण अनधिकृत, इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन में ग्राहकों की देयता को सीमित करना और बैंकों की तरफ से चालू खाते खोलना अनुशासन की आवश्यकता पर जारी किए गए कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने पर जुर्माना लगाया है। दरअसल, आरबीआई ने 31 मार्च 2023 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के बारे में पर्यवेक्षी मूल्यांकन वैधानिक निरीक्षण (आईएसई 2023) किया। इस दौरान पता चला कि एसबीआई आरबीआई के निर्देशों के पालन नहीं कर रही है। इसके बाद से एसबीआई को एक नोटिस जारी कर कारण बताने के लिए कहा गया है।

बिजली विभाग का कार्यपालन यंत्री निकला करोड़ों का मालिक, ईओडब्ल्यू की कार्रवाई

विजय मत, ब्यूरो जबलपुर

मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में पदस्थ कार्यपालन यंत्री के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने आय से अधिक संपत्ति तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की। ईओडब्ल्यू को दबिश में कार्यपालन यंत्री के पास साढ़े पांच करोड़ से अधिक की संपत्ति मिली है। प्रभारी पुलिस अधीक्षक ईओडब्ल्यू जबलपुर एबी सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कटनी में कार्यपालक यंत्री के पद पर पदस्थ उमा शंकर पाराशर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत की जांच के बाद ईओडब्ल्यू की टीम ने शनिवार की सुबह उनके नरसिंहपुर स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित घर में दबिश दी। ईओडब्ल्यू की टीम को दबिश के दौरान नरसिंहपुर में दो आलीशान मकान तथा ग्राम बिनौर करेली में बॉयो केमिकल वेस्ट फैक्टरी के दस्तावेज मिले है। नरसिंहपुर में बना एक मकान दो मंजिला तथा दूसरा तीन मंजिला है, जिसका दस्तावेजी मूल्य लगभग डेढ़ करोड़ रुपये है। फैक्ट्री का मूल्य लगभग तीन करोड़ रुपये है।

भोपाल और रूस के स्मोलेंस्क शहर के साथ हुआ सिस्टर सिटी समझौता

प्रदेश का पहला एमओयू, महापौर पहुंची रूस

विजय मत, भोपाल

राजधानी भोपाल और रूस के स्मोलेंस्क शहर के बीच सांस्कृतिक, शैक्षणिक और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'सिस्टर सिटी' समझौता किया गया है। मध्यप्रदेश के किसी भी शहर के महापौर द्वारा किसी विदेशी शहर के साथ किया गया ये प्रथम अनुबंध है। इससे लेकर भोपाल की महापौर मालती राय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल स्मोलेंस्क शहर पहुंचा है। महापौर वहां के विक्ट्री डे परेड में शामिल हुई। इस प्रतिनिधि मंडल में भोपाल नगर निगम की एडिशनल कमिश्नर टीना यादव ,फेडरेशन ऑफ़ मध्य प्रदेश कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सचिव प्रवीण आचार्य, रूस में फेडरेशन के अधिकृत प्रतिनिधि प्रभांशु श्रोत्रिय एवं अजय सिंह ठाकुर भी स्मोलेंस्क की विक्ट्री परेड में उपस्थित हुए।

कार्यालयः भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

न्यूज इन शॉर्ट

स्टेट बैंक धनपुरी में 10, 20 के नोट न मिलने लोग हो रहे परेशान

धनपुरी। वर्तमान समय में अगर देखा जाए तो धनपुरी स्टेट बैंक में 10 ,20 के नोट ना मिलने के कारण लोग परेशान हो रहे हैं लेकिन इस तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है आज देखा जाए तो शादी विवाह का सीजन चल रहा है जिस कारण से बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन बैंक पहुंच रहे हैं और 10 ,20 के छोटे नोट की मांग कर रहे हैं लेकिन यहां पर यह नोट ना होने की बात कही जाती है लोग निराश होकर वापस आ जाते हैं यह समस्या बैंक में कई दिनों से देखी जा रही है लेकिन इसके बाद भी इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है दूसरी तरफ अगर देखा जाए तो बड़ी संख्या में व्यापारी भी इन नोटों को लेने के लिए बैंक जाते हैं क्योंकि व्यापार में उन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है लेकिन यहां पर उन्हें भी निराश होना पड़ रहा है देखना यह होगा कि आखिर इस समस्या के समाधान को देखकर ध्यान कब दिया जाता है।

अप्रत्याशित परिस्थितियो को दृष्टिगत रख समस्त शासकीय सेवकों के अवकाश प्रतिबंधित

शहडोल।मध्य प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा वर्तमान की अप्रत्याशित परिस्थितियों को दृष्टिगत रख समस्त शासकीय सेवकों के अवकाश प्रतिबंधित किए हैं। निर्देशित किया गया है कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, गृह विभाग, ऊर्जा विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, जल संसाधन विभाग, नर्मदा घाटी विकास विभाग, परिवहन विभाग समस्त शासकीय सेवक अपने मुख्यालय पर अनिवार्यता उपस्थित रहेंगे। विशेष परिस्थितियों में यथा स्वंय अथवा स्वंय के परिवार में विवाह, प्रसूति एवं संतान पालन, गंभीर बीमारी, दुर्घटना, स्वंय के परिवार में घटित अप्रत्याशित घटना आदि के संबंध में जिला स्तर पर कलेक्टर एवं राज्य स्तर पर विभाग के भारसाधक सचिव द्वारा अवकाश स्वीकृत/अनुमति प्रदान की जा सकेगी। उपरोक्त विभागों के अतिरिक्त अन्य विभागों के शासकीय सेवकों के अवकाश आवेदनों पर अतिआवश्यक होने पर ही स्वीकृति सक्षम स्तर से प्रदान की जा सकेगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने समस्त शासकीय विभागों को निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

रिलायंस कार्यालय लालपुर में आपदा प्रबंधन क्षमता निर्माण कार्यशाला संपन्न

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव की उपस्थिति में रिलायंस इंडस्ट्रीज के लालपुर स्थित कार्यालय में आपदा प्रबंधन क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया।कलेक्टर ने कहा कि दुर्घटनाओं से बचने के लिए जन जागरुकता अभियान सतत रूप से चलाया जाए, किसी भी दुर्घटना के घटित होने पर प्रशिक्षित दलों को समय पर भेजकर बचाव के कार्य किए जाए, इसके साथ ही स्थानीय लोगों को भी प्रशिक्षित करे। जिले में काम करने वाले संस्थानों को संभावित दुर्घटनाओं को टालने, घटना होने पर बचाव के सभी आवश्यक उपकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। जिले में कार्यरत रिलायंस तथा ओरियंट पेपर मिल में सुरक्षा उपायों तथा संभावित दुर्घटनाओं तथा सूचना तंत्र की समीक्षा की क्षमता निर्माण कार्य शाला में जहरीली गैस से बचाव, भूकंप के समय जीवन रक्षा के उपाय, केमिकल दुर्घटनाओं से बचाव, कार्डियक अटैक से बचाव हेतु सीपीआर के उपयोग, बाढ़, सूखा तथा तूफान से बचाव के उपाय भी बताए गए।कार्यशाला में पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने कहा कि सभी विभाग आपस में समन्वय बनाकर रखे तथा विभिन्न विभागों के पास उपलब्ध संसाधनों की जानकारी भी संकलित करके रखें। सोशल मीडिया में वायरल होने वाली खबरें, पोस्टें पर नजर रखें, अपवाह वाली खबरों की सतत मॉनिटरिंग करें तथा आवश्यकता होने पर उनका खंडन भी कराए। कार्यशाला में एसईसीएल के जीएम कृष्णा, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान, एसडीएम, तहसीलदार, एसडीओ पी.टी.आई. पुलिस सहित प्रशिक्षित आपदा प्रबंधन दल के सदस्य उपस्थित रहे।

सीज फायर देशहित में ,उचित लेकिन जनता आर पार की लड़ाई चाहती थी

शहडोल। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश तिवारी ने भारत पाकिस्तान युद्ध में सीज फायर किए जाने के निर्णय को देश हित में उचित बताते हुए कहा है कि संपूर्ण दृष्टिकोण से युद्ध विराम उचित था। लेकिन जनता की मांग एवं जन भावना थी कि पाकिस्तान द्वारा लगातार वर्षों से की जा रही आतंकवादी गतिविधियों को देखते हुए आर पार की लड़ाई होना चाहिए था।

पीयूसी प्रमाणपत्र की अनिवार्यता कागजों तक सीमित, जांच में गंभीरता गायब

प्रदूषण की अनदेखी: जिले में बढ़ते वाहनों के बीच विभाग बेपरवाह

विजय मत, शहडोल

शहर की सड़कों पर वाहनों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। वर्तमान में जिले में चार लाख से अधिक वाहन पंजीकृत हैं, जिनमें व्यावसायिक व निजी दोनों तरह के वाहन शामिल हैं। लेकिन चिंताजनक बात यह है कि इन वाहनों से फैल रहे वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए जिम्मेदार विभाग अब तक गंभीर नजर नहीं आ रहे।

पीयूसी सिर्फ औपचारिकता, कार्रवाई न के बराबर

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल प्रमाणपत्र की जांच सिर्फ खानापूर्ति बनकर रह गई है। वाहन चालकों को इसकी जानकारी नहीं है और संबंधित विभाग कभी-कभार औपचारिक कार्रवाई कर इतिश्री कर लेते हैं। ट्रैफिक पुलिस, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और परिवहन विभाग इस विषय में एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं।

प्रदूषण रोकथाम के लिए नहीं कोई विशेष अभियान

वाहनों से निकलने वाले धुएं पर रोकथाम सबसे जरूरी कदम है, लेकिन विभाग द्वारा नियमित जांच अभियान नहीं चलाए जाते। अधिकारी फिटनेस और परमिट के समय ही पीयूसी जांच की बात करते हैं। राजस्व वसूली के अन्य मदों पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है, जबकि प्रदूषण के मुद्दे पर कार्यवाही नगण्य है।

सेहत पर गहरा असर

- फेफड़े:धूल और धुएं से सांस की बीमारियाँ बढ़ रही हैं।
- त्वचा: कार्बन अवशोषण से एलर्जी की समस्या बढ़ती है।
- नाक व गला: लगातार छींक, जुकाम और गले में इंफेक्शन आम हो गए हैं।
- कफ और खांसी: थ्रोट इंफेक्शन से अचानक खांसी होती है।

जानकारी का अभाव, केंद्र खाली पड़े हैं

शहर में कई पीयूसी सेंटर स्थापित हैं, जिनमें आधुनिक जांच उपकरण मौजूद हैं। फिर भी अधिकांश वाहन चालक इनकी ओर रुख नहीं करते। ट्रैफिक पुलिस भी अपने अभियानों में पीयूसी जांच को शामिल नहीं करती, जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है।

पुराने वाहन बने जहर के धुएं के स्रोत

विशेषज्ञों की मानें तो 10 साल पुराने वाहन नए वाहनों की तुलना में 2 से 4 गुना अधिक प्रदूषण करते हैं। डीजल वाहनों से निकलने वाले सूक्ष्म कण, नाइट्रोजन ऑक्साइड, एल्डिहाइड जैसे तत्व शरीर के लिए बेहद हानिकारक हैं।

जांच के संसाधन सीमित, समाधान जरूरी

परिवहन विभाग के अनुसार शहर में करीब डेढ़ लाख वाहन हैं, जिन्हें हर छह महीने में प्रदूषण जांच की आवश्यकता होती है। लेकिन संसाधनों की कमी के चलते नियमित जांच संभव नहीं हो पाती। अगर यही स्थिति रही तो वायु प्रदूषण पर काबू पाना नामुमकिन हो जाएगा।

एसईसीएल में पिछले 2 महीनों में आश्रित पेंशन के रेकॉर्ड 120 लंबित मामले निपटाए गए

एचआर, सतर्कता विभाग एवं सीएमपीएफ़ओ की संयुक्त पहल से मिली सफलता

विजय मत, धनपुरी

एसईसीएल में आश्रित पेंशन से संबंधित लंबित मामलों को प्राथमिकता से हल करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके फलस्वरूप पिछले 2 महीनों में रेकॉर्ड 120 मामलों को निपटाया गया है। एसईसीएल के सतर्कता विभाग एवं मानव संसाधन (एचआर) विभाग तथा सीएमपीएफ़ओ की इस संयुक्त प्रयास से कर्मचारी कल्याण की दिशा में की गई इस पहल से सफलता मिली है। इस अभियान के तहत, एसईसीएल प्रबंधन और सतर्कता विभाग सीएमपीएफ़ओ के अधिकारियों के साथ मिलकर लंबित मामलों को तेजी से निपटाने के लिए एक कार्य योजना पर काम कर रहे हैं।

निदेशक (एचआर) ने सीएमपीएफ़ओ कमिश्नर के साथ बैठक कर बेहतर समन्वय पर दिया है ज़ोर

एसईसीएल निदेशक (एचआर) श्री बिरंची दास ने हाल ही में मुख्यालय बिलासपुर में सीएमपीएफ़ओ बिलासपुर एवं जबलपुर रीज़न के कमिश्नर के साथ बैठक कर लंबित मामलों निपटान को फास्ट ट्रैक करने पर ज़ोर दिया था। साथ ही सीएमपीएफ़ओ के सी-केयर्स पोर्टल में आ रही तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान को लेकर भी चर्चा की थी।

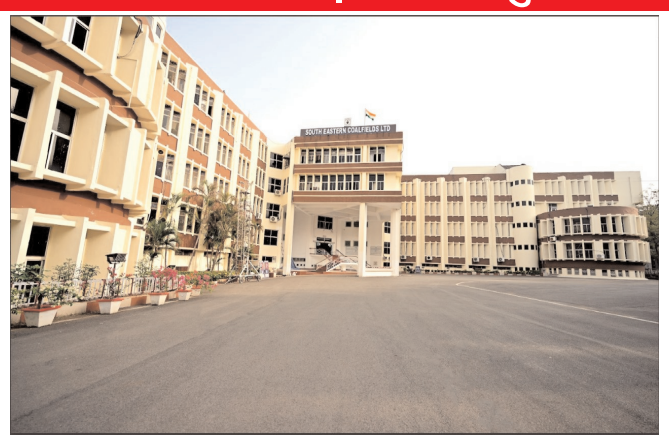

संशोधित पीपीओ को लेकर जारूकता बढ़ाने के लिए किए जा रहे हैं प्रयास

पहले के समय में जारी किए जाने वाले पीपीओ (पेंशन पेमेंट ऑर्डर) में पत्नी का नाम न होने के कारण कर्मी की मृत्यु की स्थिति में पत्नी को अपना नाम पीपीओ में दर्ज करवाने के लिए अंतिम यूनिट में जाना पड़ता था जिसमें कई बारे देरी होने एवं अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ता था। इसे देखते हुए संशोधित पीपीओ जारी करना शुरू किया है जिसमें कर्मी के साथ उनकी पत्नी का नाम भी दर्ज किया जा रहा है। और कर्मियों को संशोधित पीपीओ जारी करवाने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

लंबित मामलों को निपटाने के लिए आश्रितों से सीधे संवाद स्थापित करेगा एसईसीएल

पीएफ़/पेंशन के लंबित मामलों को निपटाने के एसईसीएल एचआर विभाग, सतर्कता विभाग एवं सीएमपीएफ़ओ द्वारा कर्मियों एवं आश्रितों से सीधे संपर्क कर उनकी समस्याओं का हल किया जाएगा। कंपनी की योजना है कि संचालन क्षेत्रों में पीएफ़ मेला का आयोजन कर बड़े स्तर पर कर्मियों की समस्याओं का समाधान किया जाए।

आखिर इस कैंटीन की बदहाली के लिए कौन है जिम्मेदार?

विजय मत, धनपुरी

केंद्रीय चिकित्सालय के ठीक सामने कुछ सालों पहले एसी कैंटीन का निर्माण इस बात को ध्यान में रखकर कराया गया था कि इसका लाभ अस्पताल आने वाले मरीजों के परिजनों और यहां के कर्मचारियों को मिलेगा शायद यह कुछ समय तक ही बेहतर देखने को मिला क्योंकि समय जैसे-जैसे जो गुजरता गया वैसे वैसे इस कैंटीन बदहाली भी बढ़ती गई जिस उद्देश्य को ध्यान में रखकर इस कैंटीन को बनवाया गया था शायद वह उद्देश्य आज कहीं ना कहीं सार्थक होता हुआ नजर नहीं आ रहा है एसी कैंटीन से महज चंद कदम की दूरी पर एरिया महाप्रबंधक कार्यालय मौजूद है और शायद इस कैंटीन की बदहाल स्थिति से यहां भी हर कोई अवगत है सवाल उठता है कि इस व्यवस्था के सुधार को लेकर कोई सार्थक परिणाम सामने क्यों नहीं देखने को मिल रहे हैं क्या अनदेखी की वजह से आज यह

कैंटीन इस बदहाल स्थिति में पहुंच गई है कि अभी से लेकर कई तरह के सवाल भी उठने लगे हैं।

विगत 2 साल से भी अधिक समय हो चुका है इस कैंटीन का अब तक टेंडर नहीं हो सका है और जैसे तैसे कैंटीन का संचालन तो हो रहा है लेकिन यहां की जो सुविधाएं कर्मचारियों को मिलनी चाहिए शायद वह मिलने को नहीं देखी जा रही है और इस कारण से लाखों रुपए की लागत से जिस एसी कैंटीन का निर्माण कराया गया था उसका लाभ मिलता हुआ नजर नहीं आ रहा है।

धनपुरी नगर में श्री लक्ष्मी नारायण की मूर्ति परिवर्तन महोत्सव एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम हुआ संपन्न

विजय मत, धनपुरी

6 मई से श्री ज्वालामुखी यज्ञ स्थल श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर पुरानी बस्ती धनपुरी में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन मां ज्वालामुखी यज्ञ समिति के तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है और आज श्री लक्ष्मी नारायण की मूर्ति परिवर्तन महोत्सव एवं प्राण प्रतिष्ठा की गई इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए पूरे विधि विधान से पूजा अर्चन की गई ओर इस मौके पर भक्तों के अंदर उत्साह भी देखा जा रहा था। आज अगर देखा जाए तो श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में आस्था को लेकर भक्तों का उत्साह देखते बनता है दूर-दूर से भक्त यहां पर आते हैं और यही कारण है कि यहां पर धार्मिक आयोजनों को लेकर पूरे वर्ष कार्यक्रम होता है इस वर्ष मां ज्वालामुखी यज्ञ समिति के द्वारा श्री लक्ष्मी नारायण की मूर्ति परिवर्तन महोत्सव एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित किया गया इसके पहले श्री लक्ष्मी नारायण की मूर्ति भव्य शोभा यात्रा के साथ निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल भी हुए और इस मौके पर लोगों में आस्था देखते बन रही

थी आज इस मंदिर परिसर में मां ज्वालामुखी यज्ञ समिति के द्वारा विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और एवं पूरे विधि विधान के साथ श्री लक्ष्मी नारायण प्रभु जी की भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया गया जिसे लेकर दूर-दूर से भक्त यहां पर शामिल हुए थे और उनमें आस्था देखते भी बन रही थी।मां ज्वालामुखी यज्ञ समिति के द्वारा पहली बार श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर प्रांगण में बटुक ब्राह्मणों का उपनयन संस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया और इस कार्यक्रम में भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

सोहागपुर एरिया पहुंचे भू राजस्व महाप्रबंधक, शरद तिवारी किसानों के साथ हुई बिंदुवार चर्चा

विजय मत, धनपुरी

वर्तमान समय में अपने विभिन्न मांगों को लेकर किसानों की नाराजगी चरम पर है 15 मई से संपूर्ण खदान बंद करने की चेतावनी का ज्ञापन दे दिया जा चुका है तो दूसरी तरफ प्रबंधन अलग-अलग सिरे से किसानों के साथ जनप्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर समस्याओं का समाधान के लिए कर रही पहल इसी बीच अचानक अन्य मुद्दों को लेकर सोहागपुर एरिया पहुंचे भू राजस्व महाप्रबंधक श्री शरद तिवारी अचानक ही रामपुर बटुरा के नेतृत्व करने वाले जनप्रतिनिधियों एवं किसान नेताओं को सूचना भेजकर जी एम गेस्ट हाउस में बैठक बुलाई गई श्री तिवारी ने कुछ मुद्दों को लेकर सोहागपुर एरिया के अधिकारियों

के ऊपर नाराजगी व्यक्त की इतना देरी पैसा बांटने में हुआ कहीं न कहीं हम ही इसके जिम्मेदार हैं क्यों हुआ अति शीघ्र किसानों को मकान और आर एंड आर की राशि जल्द , जल्द से भुगतान करने की दिशा में काम करना प्रारंभ करें नोटिफिकेशन में जो जमीन छूटा है उसे लेकर पूरे एरिया में जहां-जहां अधिग्रहण हुआ है उनको एक साथ कंप्लीट कर भेजने के मुद्दे को किसान नेता सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा एक सिरे से खारिज किया श्री तिवारी साहब से प्रस्ताव रखा रामपुर बेलिया के निराकरण अति शीघ्र करें इसके पश्चात अन्य गांव का भी उन्होंने इस प्रस्ताव को स्वीकार किया जल्द से जल्द नक्शा लेकर एक कमेटी 10 दिवस के अंदर प्रकरण तैयार कर मुख्यालय भेजें ताकि 1 महीने के अंदर निराकरण किया जा सके मकान के मुआवजा को लेकर कार्रवाई जारी है तीन माह के अंदर हर हाल में भुगतान करेंगे इसके पश्चात रोजगार के फाइलों को लेकर किसानों की जो नाराजगी है उस पर भी लंबे समय तक बिंदु वार अलग-अलग किसानों के विषय पर चर्चा हुई पर संपत्ति के मुआवजा को लेकर कल से ही अमल करेंगे आज की बैठक पूरी तरह से औपचारिक थे बैठक के अंत में एरिया के महाप्रबंधक श्री कृष्णा भी पहुंचे उन्होंने भी आस्वस्थ कराया जल्द से जल्द करने का प्रयास करें अतरिया डी आर सी सी को भी जल्द तैयारी कर रहे हैंलेकिन किसानों की नाराजगी रोजगार फाइल को लेकर विशेष रही इस पूरे बैठक में मुख्य रूप से प्रबंधन की ओर से श्री शरद तिवारी महाप्रबंधक भू राजस्व मुख्यालय बिलासपुर ,सबएरिया मैनेजर श्री संदीप शर्मा वेद प्रकाश दिलीप पांडे एवं अन्य की उपस्थित रही ।

सोच की झलक

रेलवे में अब भी विकलांग, जबकि 10 साल पहले पीएम मोदी ने दिया था दिव्यांग नाम

शहडोल स्टेशन पर नर्मदा एक्सप्रेस के कोच डिस्प्ले ने उठाए सवाल

विजय मत, शहडोल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2015 में मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश को यह संदेश दिया था कि शारीरिक रूप से अक्षम लोगों को विकलांग नहीं बल्कि दिव्यांग कहा जाना चाहिए। उनका मानना था कि इन लोगों में ईश्वर ने कोई विशेष शक्ति दी है, जो उन्हें विशिष्ट बनाती है। इस सोच को समाज ने काफी हद तक अपनाया भी। लेकिन दस साल बाद भी भारतीय रेल में इस सोच की झलक पूरी तरह नजर नहीं आ रही।

शहडोल स्टेशन पर सामने आया पुराना सोच का उदाहरण

शनिवार को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के शहडोल रेलवे स्टेशन पर जब 18234 नर्मदा एक्सप्रेस खड़ी हुई, तो उसके कोच डिस्प्ले पर

विकलांग शब्द चमकता नजर आया। यह देख यात्रियों में हैरानी और नाराजगी का माहौल बन गया। क्योंकि वहीं कोच के बगल में लगा स्टिकर सही शब्द दिव्यांगजन का उपयोग कर रहा था। यह विरोधाभास रेलवे की लापरवाही को उजागर करता है।

सरकारी दस्तावेजों और योजनाओं में दिव्यांग

भारत सरकार ने 2016 में संशोधित कर दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम बनाया। इसके बाद से केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं, फॉर्म्स, बोर्ड्स और सार्वजनिक घोषणाओं में दिव्यांग शब्द अनिवार्य किया गया। रेलवे जैसे बड़े संस्थान द्वारा अब भी पुराने शब्द का उपयोग करना न केवल नियमों की अनदेखी है, बल्कि सामाजिक असंवेदनशीलता भी है।

रेलवे प्रशासन की चुप्पी और सवाल

इस मुद्दे पर जब स्थानीय रेलवे अधिकारियों से संपर्क किया गया, तो किसी ने भी स्पष्ट जवाब नहीं दिया। कर्मचारियों ने नाम न बताने की शर्त पर स्वीकार किया कि पुराने डिस्प्ले यूनिट्स को अपडेट नहीं किया गया है। जबकि सरकार की कई योजनाओं में करोड़ों रुपये डिजिटल डिस्प्ले और सॉफ्टवेयर अपडेट में खर्च किए गए हैं, तब यह सवाल उठता है कि दिव्यांग शब्द को सिस्टम में अपडेट क्यों नहीं किया गया।

तकनीकी खामी या मानसिकता की लाचारी

यह घटना केवल एक डिस्प्ले बोर्ड की गड़बड़ी नहीं, बल्कि एक सोच की झलक है जो अब भी बदली नहीं है। तकनीकी रूप से इसे एक सॉफ्टवेयर अपडेट से ठीक किया जा सकता है, लेकिन असल ज़रूरत उस मानसिकता को बदलने की है जो अब भी दिव्यांगजनों को कमतर मानती है।

न्यूज इन शॉर्ट

पाक विरुद्ध सैन्य कार्यवाही के समर्थन में कांग्रेस की जय हिंद यात्रा 13 मई को

उमरिया। विगत दिनों पाकिस्तान की शह पर हुये आतंकी हमलों से पूरा देश आहत है। केंद्र सरकार द्वारा दहशतगर्दी के खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही के समर्थन मे कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व तथा प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आगामी 13 मई को उमरिया मे जय हिंद यात्रा निकाली जाएगी। पार्टी के प्रवक्ता अशोक गौटिया ने उक्ताशय की जानकारी देते हुए बताया कि जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अजय सिंह के नेतृत्व ने जय हिंद यात्रा 13 मई को सायं 5 बजे स्थानीय रानी दुर्गावती चौक से रवाना होगी। पुराना बस स्टैंड शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, जय स्तंभ तथा सिंधी धर्मशाला होते हुए यह यात्रा गांधी चौक मे सम्पन्न होगी। जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं तथा समस्त गणमान्य नागरिकों से राष्ट्रीय एकता, सैन्य बलों के प्रति समर्थन और .तज्ञता का संदेश देने निकलने वाली जय हिंद यात्रा मे अधिक से अधिक संख्या मे शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की गई है।

पठारी फाटक के पास बेलगाम ट्रक ने मिनी ट्रक को मारी ठोकर

उंचेहरा। नौरोजाबाद थाना अंतर्गत पठारी फाटक के पास एक बेलगाम ट्रक ने मिनी ट्रक को ठोकर मार दी। इस घटना में कोई जन हानि नही हुई है। मिनी ट्रक को नुकसान जरूर पहुंचा है। विदित हो कि सड़क की स्थिति सही नही होने के कारण भी यहां आये दिन सड़क हादसे घटित होते रहते है, कभी कभार तो वाहन चालकों को अपनी जान से हांथ धोना पड़ता है।

मारपीट करने पर मामला कायम

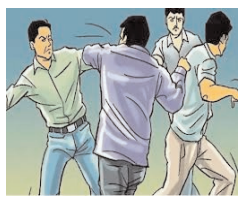

उमरिया। कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम अमडी में आरोपी ने फरियादी से गाली गालौज करते हुए मारपीट की एवं जान से मारने की धमकी दी। जानकारी अनुसार देवीदीन अगरिया ग्राम अमडी की शिकायत पर पुलिस ने मनोज महोबिया पर पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

कार चालक पर मामला कायम

उमरिया। चंदिया थाना अंतर्गत ग्राम कौडिया में आरोपी द्वारा कार को तेज रफतार व लापरवाही पूर्वक चलाते हुए एक्सीडेंट कर दिया गया। जानकारी अनुसार कार क्रमांक एमपी 54 सी 1854 के चालक पर पुलिस ने राजमणि साहू पिता रामाधार साहू उम्र 19 की शिकायत पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

महिला ने लगाई फांसी

उमरिया। नौरोजाबाद थाना अंतर्गत गदहा दफाई में महिला ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी अनुसार मृतक महिला का नाम पप्पी बाई कोल पति रज्जू कोल उम्र 32 साल निवासी गदहा दफाई पर पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

औद्योगिक भूखंडो के आवंटन हेतु एक्सप्रेशन ऑफ इन्टरेस्ट आमंत्रित

उमरिया। महाप्रबंधक जिला व्याआपार एवं उद्योग केंद्र ने बताया कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा उमरिया जिले में स्थित विभागीय औद्योगिक क्षेत्र बड़वार तहसील चंदिया में रिक्त औद्योगिक भूखंडो के आवंटन हेतु 15 मई 2025 तक अपरान्ह 5 बजे तक एक्सप्रेशन ऑफ इन्टरेस्ट आमंत्रित किए गए है। यह प्रक्रिया विभागीय पोर्टल उचउउमणहवअणपद पर संपादित की जाएगी। उन्होने बताया कि प्रत्येक भूखंड हेतु आवेदन शुल्क रू. 5000 होगा। आवेदन शुल्क वापसी योग्य नहीं होगा। आवेदन शुल्क के अतिरिक्त आवेदित भूमि हेतु आवेदन दिनांक को प्रचलित (चतमउपनउ) की 25 प्रतिशत अग्रिम राशि पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा करनी होगी। भूखंडो का आवंटन मध्यप्रदेश एमएसएमई को औद्योगिक भूमि तथा भवन आवंटन एवं प्रबंधन नियम 2025 के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।

प्रदेश एवं जिले की मेरिट सूची में स्थान रखने वाले

मेधावी छात्र छात्राओं को कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने किया सम्मानित

विजय मत, उमरिया

जिला पंचायत सभागार कक्ष में मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग, जिला पंचायत सदस्य सावित्री मौजीलाल चौधरी, बेला अर्जुन सिंह सैय्याम सहित अन्य जनों ने किया। इस अवसर पर कक्षा 10वीं के सौरभ पिता मोहन राम पांडेय अशासकीय नव ज्योति स्कूल मानपुर व्दारा 98.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रदेश में आठवां एवं जिले में पहला स्थान तथा कक्षा 10 वी कि शिवि गुप्ता पिता विजय अशासकीय सरस्वती हायर सेकेण्डरी चंदिया व्दारा 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में नौवा स्थान प्राप्त करनें पर पुष्प गुच्छ एवं प्रमाण पत्र से सम्मानत किया गया।इसी तरह कक्षा 10 में जिले के प्रथम तीन स्थान प्राप्त करनें वाले छात्राओ में सृष्टि पिता नितिन जायसवाल अशासकीय ब्रम्हर्षि बावरा तपोवन सलैया ने 98 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान, श्रुति पिता भगवत यादव अशासकीय नव ज्योति हायर सेकेण्डरी मानपुर ने 97.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर व्दितीय स्थान, कुलदीप पिता

रावेंद्र शर्मा अशासकीय नवज्योति हायर सेकेण्डरी मानपुर ने 97.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर व्दितीय स्थान, तथा खुशबू पिता .ष्ण कुमार सोनी अशासकीय हंसवाहिनी स्कूल ने 97 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिन्हे भी सम्मानित किया गया। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में कला संकाय के अतुल पिता राजेश गुप्ता अशासकीय नव ज्योति हायर सेकेण्डरी मानपुर ने 92.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर जिले में प्रथम स्थान, हर्शित पिता राजेन्द्र कुमार शुक्ला शासकीय उमावि अमिलिहा ने 89.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर व्दितीय स्थान, गणित संकाय की अंशिका पिता टीकाराम गुप्ता अशासकीय स्वराज पब्लिक स्कूल उमरिया ने 93.9 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान, हिमांशु पिता धमेन्द्र त्रिपाठी अशासकीय सेंट जेवियर स्कूल कोयलारी ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर व्दितीय स्थान, प्रियांशु पिता दयाराम विश्वकर्मा अशासकीय सरस्वती हायर सेकेण्डरी विंध्या कालोनी ने 92.4 अंक अर्जित कर तृतीय स्थान, अंजुम पिता संजय पटेल शासकीय उमावि नौगवां ने 92.4 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान, कामर्स संकाय के साक्षी पिता मनोज विश्वकर्मा अशासकीय वैष्ण्वी पब्लिक स्कूल नौरोजाबाद ने 93.8 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, सम्मान पिता संजय गुप्ता अशासकीय सेंट जोसेफ हायर सेकेण्डरी विंन्या कालोनी ने 88.2 प्रतिशत अंक अर्जित कर व्दितीय स्थान, .षि संकाय की अंजली गुप्ता पिता व्दारिका शासकीय उमावि पिनौरा ने 91.2 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान तथा गृह विज्ञान संकाय की कामनी बैगा पिता विमल बैगा शासकीय उमावि कन्या पाली ने 81 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिन्हें मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियों ने सम्मानित किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी आर एस मरावी, जिला पंचायत सदस्यभ सावित्री मौजीलाल चौधरी, बेला अर्जुन सिंह सैय्याम , श्री सुशील मिश्रा, शासकीय अशासकीय विद्यालयों के शिक्षक, मेधावी छात्र एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

विश्व थैलेसीमिया दिवस पर शा.महाविद्यालय पाली में लगाया गया रक्तदान शिविर

उमरिया-विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी के मार्गदर्शन पर शा. महाविद्यालय पाली एवं युवा टीम उमरिया के संयुक्त प्रयास से महाविद्यालय परिसर में इस वर्ष की थीम मानवता के पक्ष में के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ पाली महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर.के झा के द्वारा किया गया।

प्राचार्य डॉ. आर.के झा ने कहां की रक्तदान सबसे बड़ा दान माना जाता है क्योंकि इससे आप किसी दूसरे व्यक्ति की जिंदगी बचा सकते हैं कई बार तो वह रक्तदान आपके किसी अपने के भी काम आ जाता है इसलिए हर किसी स्वस्थ युवा को रक्तदान करना चाहिए ।यह एक ऐसा दान है, जिसके लिए आर्थिक रूप से मजबूत होने की जरूरत नहीं।हमें अपने जीवन में रक्तदान अवश्य करना चाहिए। रक्त का विकल्प केवल मनुष्य ही है। हमारे द्वारा दिए रक्तदान से हम किसी को भी जीवनदान दे सकते हैं।

रक्तवीर हिमांशु तिवारी ने जानकारी देते हुए कहा कि लोगों में यह भ्रम है कि रक्तदान करने से शरीर में कमजोरी आती है लेकिन सच्चाई या है कि रक्तदान के कारण कोई कमजोरी नहीं आती रक्तदान के 56 दिन बाद वह फिर से रक्तदान करने के काबिल हो जाते हैं इससे जरूरतमंद को मदद मिलती है साथ ही शरीर में भी नया खून बनने से वह स्वस्थ रहता है।कभी भी डिलीवरी, थैलिसीमिया, दुर्घटना या बीमारी का शिकार कोई भी हो सकता है।रक्तदान के महत्व को बताते हुए कहा कि, ष्रक्तदान ही महादान है, क्योंकि इसका निर्माण केवल मानव शरीर में ही हो सकता है। रक्तदान के दौरान लैब टेक्नीशियन वीरेंद्र शर्मा, विनीत साहू, अंजलि दर्द्वशी, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ आर.के झा, डॉ जीपीएस चौहान,डॉ मंसूर अली, रक्तबीर हिमांशु तिवारी,शिखा बर्मन, मुस्कान महोबिया ,संजीवनी पटेल, लक्ष्मी महोबिया, वैष्णवी बर्मन, अतिव्य रजक, रुद्र प्रधान ,शुभम पटेल, श्रेयांश गौतम एवं सभी शामिल रहे।

कोई भी व्यक्ति ,संस्थाएं सोशल मीडिया पर कोई भी भ्रामक एवं अपुष्ट सूचनाएं पोस्ट नहीं करेगा : कलेक्टर

उमरिया। भारतीय सेना द्वारा आपरेशन सिंदूर के तहत की गयी कार्यवाही से उद्भुत वर्तमान परिस्थितियों के परिपेक्ष्य में विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों पर भ्रामक एवं अपुष्ट सूचनाएं / पोस्ट / वीडियो / रील्स अपलोड / फारवर्ड किये जा रहे हैं। ऐसी अपुष्ट खबरों के प्रसारण से आमजन में आक्रोश एवं तनाव पैदा होने तथा कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित होने की संभावना बनी हुई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के अन्तर्गत लोक हित में तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने की .ष्टि से आदेशित करता हूं कि कोई भी व्यक्ति / संस्थाएं सोशल मीडिया (फेसबुक, वाट्सएप, ट्विटर आदि) पर ऐसी कोई भी भ्रामक एवं अपुष्ट सूचनाएं / पोस्ट / वीडियो / रील्स को अपलोड एवं फारवर्ड / वायरल नहीं करेगा / करेगी। यदि जांच के दौरान कोई भी व्यक्ति ऐसी पोस्ट अपलोड / फारवर्ड करने में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 एवं अन्य सुसंगत अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।

आदेश उमरिया जिले में रह रहे प्रत्येक नागरिक को व्यक्तिशः तामील कराया जाना संभव नहीं है। अतः सार्वजनिक माध्यमों, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, समाचार-पत्रों के माध्यम से यह आदेश सर्व साधारण को अवगत कराया जा रहा है। आदेश जारी होने के दिनांक से आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता, की धारा 223 एवं आयुध अधिनियम 1959 के अन्तर्गत प्रावधानों के अनुरूप दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी।

घुनघुटी में स्थानीय व्यापारी संघ की बैठक हुई संपन्न

विजय मत, उमरिया

उमरिया जिले के जनपद पंचायत बिरसिंहपुर पाली के घुनघुटी किराना व्यापारी संघ की बैठक शुक्रवार को घुनघुटी स्थित चौराहे में संपन्न हुई, वहीं घुनघुटी के स्थानीय व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं के मद्दे नजर आपस में विचार विमर्श किया गया। व्यापारियों की अनेकों समस्याओं के निराकरण हेतु व्यापारी संघ गठन करने का निर्णय लिया गया है, जानकारी है कि घुनघुटी व्यापारी संघ के बैठक में राकेश शिवहरे व राजेश पाठक द्वारा चंद्रदत्त शिवहरे को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा गया उक्त बैठक में सर्व सहमत में चंद्रदत्त शिवहरे को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव का समर्थन किया गया, बैठक में उपाध्यक्ष राजेश पाठक व रामनरेश वर्मा और सचिव पद पर मनोज जायसवाल कोषाअध्यक्ष पद पर आदित्य शिवहरे उक्त समस्त नियुक्ति सर्व सम्मान से किया गया। इतना भी नहीं बैठक में कहा गया कि व्यापार संघ सदैव व्यापारियों के हितों की लड़ाई लड़ेगा, इसके लिए सभी सें सहयोग का आहान किया गया है संगठन को और प्रभावी व सक्रिय बनाने को लेकर तमाम घुनघुटी व्यापारियों ने अपने सुझाव व विचार रखें इसके लिए अलग-अलग प्रकोष्ठ भी बनाएं जाएंगे, तय किया गया कि हर शनिवार को साप्ताहिक बंदी रहेगी, व्यापारी संघ के अध्यक्ष चंद्र दत्त शिवहरे ने कहा कि संगठन के विभिन्न पहलुओं पर विचार से चर्चा की जाएगी,व्यापारी संघ के द्वारा समस्त व्यापारियों के हित के लिए आने वाले कठिनाई में आर्थिक व्यवस्था हेतु यह निर्णय लिया गया की प्रति व्यापारी हर माह व्यवस्था के मद्दे नजर ध्100 प्रति माह अध्यक्ष वा कोषाध्यक्ष के पास जमा करेंगे, अतः राशि व्यापारी संघ के अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष के नाम से बैंक में प्रतिमा राशि जमा किया जाएगा, इतना भी नहीं राशि का उपयोग व्यापारियों के होने वाले कष्ट में उपयोग में किया जाएगा।

वन्य प्राणी संरक्षण तथा मानव एवं वन्य प्राणी अंतर्द्वंद्व प्रबंधन पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला 14 एवं 15 मई को

विजय मत, उमरिया

वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व उमरिया ने बताया है कि बांधवगढ़ एवं संजय कॉरीडोर में वन्य प्राणी संरक्षण तथा मानव एवं वन्य प्राणी अन्तर्द्वन्द प्रबंधन पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 14 एवं 15 मई को टाईगर डैन रिसोर्ट ताला में पूर्वान्ह 11 बजे से किया जाएगा। जिसमें मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश के वन विभाग के अधिकारी, एमपीसीए नई दिल्ली, सफारी जबलपुर, कार्बेट फाउन्डेशन मुंबई तथा एनजीओ के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

कार्यशाला में शहडोल एवं उमरिया जिले के कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, लाक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल संसाधन विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, विद्युत मंडल के कार्यपालन अभियंता, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवा तथा उप संचालक .षि को भी कार्यशाला में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया है।

जिला काँग्रेस ने सैनिकों एवं उनके परिजनों का किया सम्मान

शहडोल। जिला काँग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने जिला काँग्रेस को जिले मे निवासरत सैनिकों के घर जाकर उनका एवं उनके परिजनों का स्वागत करने के लिए निर्देशित किया है। जिसके तहत कांग्रेसजनों ने सोहागपुर मे निवासरत मेजर अर्पिता द्विवेदी जी के पिता श्री सुनील द्विवेदी (बिल्लू) का माल्यार्पण कर स्वागत किया, मेजर अर्पिता के पति मेजर राम शुक्ला भी भारतीय सेना मे सेवारत है, तत्पश्चात वार्ड नंबर 27 निवासी स्पेशल फोर्स नाइन पैरा कमांडो श्री आलोक सिंह परिहार के निवास पहुंच कर उनकी पत्नी श्रीमती रिचा सिंह जी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत सम्मान किया गया।
इस दौरान जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता, प्रदेश सचिव अजय अवस्थी, नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम जयसवाल, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कुलदीप निगम, जिला मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला, पूर्व पार्षद प्रभात पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, पार्षद हीरालाल प्रजापती, वरिष्ठ कांग्रेसी सुनील खरे, वरुण पाल, जसवीर सिंह पप्पू, सुरेंद्र वर्मन आदि काँग्रेसजन उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सभागार में मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह संपन्न

विजय मत, उमरिया

छात्र छात्राओं , शिक्षकों व्दारा की गई कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि इस वर्ष जिले में हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी का परीक्षा परिणाम अच्छा रहा है । शिक्षा से बड़ा धन कुछ नही होता है,एक शिक्षित व्यक्ति पूरे समाज को शिक्षित करने की क्षमता रखता है। उक्त आशय के विचार कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिला पंचायत के बांधवगढ़ सभागार में आयोजित मेधावी छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होने कहा कि छात्रों के लिए पहली पाठशाला उनका घर होता है जहां उनके माता पिता शिक्षक होते है । घर मे जैसा वातावरण मिलता है, वैसे ही छात्र अपने आप को ढालते है । दूसरे, विद्यालय के शिक्षक होते है,जो बच्चों को सही मार्गदर्शन देते है। छात्र चिंता मुक्त रहकर अपने आगे की शिक्षा ग्रहण करें तथा कैरियर बनाएं । छात्र विषय अनुसार समय सारिणी बनाकर अध्यापन का कार्य करेंगे तो निश्चित रूप से उन्हें सफलता अर्जित होगी । छात्र जिस क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते है वे अपनी तैयारी अभी से प्रारंभ कर दें।उन्होंने बच्चों के माता-पिता से यह भी आग्रह किया कि वो अपनी महत्वाकांक्षाओं का दबाव बच्चों पर न डालें अपितु बच्चों को अपनी इच्छानुसार सही करियर चुनने का अवसर प्रदान करें।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने कहा कि शिक्षा विकास के व्दार खोलती है । सभी छात्र छात्राओं , शिक्षकों ने मेहनत करके इस मुकाम को हासिल किया है, जिसके लिए वे बधाई के पात्र है।उन्होंने कहा कि छात्र पढ़ते समय अपने स्वयं के नोट्स तैयार करें और उसका रिवीजन परीक्षा के समय करें। आज का समय इंटरनेट का समय है, जिसके माध्यम से भी ज्ञान अर्जित किया जा सकता है।उन्होंने समझाइश दी कि ऑनलाइन माध्यमों से पढ़ते वक्त नोट्स अवश्य बनाएं और तकनीकी का उपयोग सकारात्मक ढंग से करें।कार्यक्रम में सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग ने भी मेधावी छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की । जिला शिक्षा अधिकारी आर एस मरावी ने बताया कि कक्षा 10वीं हाई स्कूल की परीक्षा में कुल दर्ज 7344 में से 7274 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी जिसमें 5257 विद्यार्थी उर्त्तीण हुए । उर्त्तीण छात्र छात्राओ में 3421 छात्र प्रथम स्थान, 1825 छात्र व्दितीय स्थान तथा 11 छात्र तृतीय स्थान पर रहे । हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम 72.27 प्रतिशत रहा । पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष हाई स्कूल के परीक्षा परिणाम में 24.53 प्रतिशत वृध्दि हुई है,जो कि प्रदेश भर में सर्वाधिक है।इसी तरह कक्षा 12वीं हायर सेकेण्डरी की परीक्षा में कुल दर्ज 4537 में से 4518 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी जिसमें 3092 विद्यार्थी उर्त्तीण हुए । उर्त्तीण छात्र छात्राओ में 2019 छात्र प्रथम स्थान, 1070 छात्र व्दितीय स्थान तथा 3 छात्र तृतीय स्थान पर रहे । हायर सेकेण्डरी का परीक्षा परिणाम 68.44 प्रतिशत रहा । पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष हायर सेकेण्डरी के परीक्षा परिणाम में 19.49 प्रतिशत हुई वृध्दि हुई है। कार्यक्रम में मेधावी छात्रा सृष्टि जायसवाल, हिमांशु त्रिपाठी, शिवि गुप्ता, श्रुति यादव, सौरभ पांडेय, कामिनी बैगा , सम्मान गुप्ता, खुशबू सोनी, साक्षी विश्वकर्मा सहित अन्य छात्राओ ने अपनी इस उपलब्धि के संबंध में अपने अपने अनुभव साझा किए। शिक्षकों ने भी छात्र छात्राओ को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र अपने उपर विश्वास रखे । अपने को बेहतर करें। यदि तनाव है तो उसकी जानकारी शिक्षक,माता पिता को अवश्य दें । इस अवसर पर अभिभावकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए । कार्यक्रम का संचालन श्री सुशील मिश्रा ने किया । इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी आर एस मरावी, जिला पंचायत सदस्य सावित्री मौजीलाल चौधरी, बेला अर्जुन सिंह सैय्याम , शासकीय अशासकीय विद्यालयों के शिक्षक, मेधावी छात्र एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे ।

कार्यक्रम

सरल और सहज व्यक्तित्व के धनी दादाभाई

कांग्रेस ने मनाई नरेन्द्र प्रताप सिंह की जयंती, दी श्रद्धांजली

विजय मत, उमरिया

जिले के लोकप्रिय नेता पूर्व विधायक तथा सबसे लंबे समय तक नगर पालिका परिषद उमरिया के अध्यक्ष रहे स्व. नरेन्द्र प्रताप सिंह को उनकी जयंती पर कांग्रेस द्वारा विनम्र श्रद्धांजली अर्पित की गई। इस मौके पर पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय सिंह तथा बड़वारा के पूर्व विधायक विजय राघवेंद्र सिंह, मृगेंद्र सिंह (पप्पू दादा) आदि कई गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायकद्वय ने स्व. नरेन्द्र प्रताप सिंह को सरल और सहज व्यक्तित्व का धनी नेता बताया। उन्होने कहा कि जनता से सीधे जुड़ाव और उनके प्रति संवेदनशीलता ने दादा भाई को एक नई पहचान दी थी। यह समाज उनके .तित्व और योगदान को सदैव याद रखेगा।

सेना के शौर्य को किया सलाम

स्थानीय गांधी चौक मे आयोजित कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस ने पहलगाम हमले के बाद देश की सशस्त्र सेनाओं द्वारा पाकिस्तान के विरूद्ध शुरू की गई कार्यवाही का स्वागत किया। पूर्व विधायक अजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता तन, मन, धन सहित अपने वीर सैनिकों के सांथ खड़ा है। श्री सिंह ने कहा कि सेना की बदौलत ही हम सभी देशवासी निश्चिंत होकर जीवन-यापन कर पा रहे हैं। उनके शौर्य को सलाम है। उन्होने कहा कि 1971 मे भारतीय सेना द्वारा दो टुकड़ों मे बांटे जाने के बाद भी पाकिस्तान के आचरण मे कोई सुधार नहीं आया है। उसे सबक सिखाना जरूरी हो गया है। हमेशा की तरह इस बार भी हमारे जवान दुश्मन को उसी की भाषा मे करारा जवाब दे रहे हैं।

महाराणा प्रताप को किया नमन

इस मौके पर कांग्रेसजनो ने खलेसर नाका मे वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती मनाई। जहां उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे सादर नमन किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय सिंह, पूर्व विधायक विजय राघवेंद्र सिंह, मृगेन्द्र सिंह (पप्पू दादा), राजेश शर्मा, ठाकुर दास सचदेव, बड़वारा की जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रंजीता सिंह, त्रिभुवन प्रताप सिंह, अमृतलाल यादव, अशोक गोटिया, सुखराज सिंह, ब्लाक अध्यक्ष शिशुपाल यादव, राजाभैया सिंह, मयंक सिंह, निरंजन प्रताप सिंह, सतोष सिंह, विजेंद्र सिंह (अब्बू), पीएन राव, मुकेश सिंह, शकुंतला धुर्वे, रामायणवती कोल, गौरीशंकर प्रजापति, ओमप्रकाश सोनी, संजय पांडे, नासिर अंसारी, राजीव सिंह बघेल, मो. आजाद, अवधेश राय, ताजेंद्र सिंह, अयाज खान, अशोक गुप्ता, उमेश कोल, एरास खान, मोनू कोरी, करण सिंह, किशोरी सिंह, मंगल सिंह, शिव शर्मा, जग्गी लाल कोरी, बाल.ष्ण यादव, खुर्रम शहजादा, भोला यादव,अशोक हरिजन, राजा हसन, कमलेश यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

पाकिस्तानी नेता और सेना के अधिकारियों के अरबों रूपया विदेशों में ट्रान्सफर

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध के दौरान पाकिस्तानी नेताओं और सेना के अधिकारियों ने अपना पैसा दुबई भेजना शुरू कर दिया है। पिछले तीन-चार दिनों के अंदर बड़े-बड़े फौजी अफसरों ने करोड़ों रुपए की रकम दुबई के बैंकों में ट्रांसफर की है। स्टेट बैंक ऑफ़ पाकिस्तान ने फॉरेन ट्रांजैक्शन को चेक किया, तो बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नेताओं और सेना के अधिकारियों द्वारा अरबों रूपया कई देशों में ट्रांसफर किया गया है। स्टेट बैंक पाकिस्तान ने सभी सरकारी और प्राइवेट बैंकों को विदेश पैसा भेजने के मामले में जानकारी मांगी है। पिछले चार दिनों मे पाकिस्तान से अरबों रुपया दुबई, अमरीका, कनाडा और ब्रिटेन में ट्रांसफर किया गया है। इस रकम को रियल स्टेट में बड़ी मात्रा में निवेश किया गया है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था तेजी से कमजोर हो रही है। पाकिस्तान इस समय जिस गहरे आर्थिक और राजनीतिक संकट से गुजर रहा है। वह अकेले वित्तीय कुप्रबंधन का परिणाम नहीं है। पाकिस्तान में दशकों से कट्टरवाद, भ्रष्टाचार और सैन्य वर्चस्व के कारण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बद से बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान का कर्ज 80 हजार अरब रुपये के पार पहुंच गया है। महंगाई दर 30 प्रतिशत के ऊपर पहुंच गई है। विदेशी मुद्रा भंडार न्यूनतम स्तर पर है। पाकिस्तान की आम जनता को रोटी-दूध जैसे जरूरी सामान के लिए संघर्ष कर रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है, कि पाकिस्तान अभी भी अपनी नीतियों में बदलाव करते हुये नहीं दिख रहा। उलटे भारत से लड़ने के लिए तैयार है। पाकिस्तान की वर्तमान अर्थव्यवस्था इस बात का संकेत है। युद्ध होने से पाकिस्तान को आंतरिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ेगा। पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मिली राहत भी बेमानी साबित हो रही है। कर्ज की किश्तों को चुकाने के लिए नए कर्ज लेने की मजबूरी पाकिस्तान की बनी हुई है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

ऑपरेशन सिंदूर : आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक कार्रवाई

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादियों के 9 ठिकानों को नष्ट किया, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे प्रमुख आतंकवादी संगठनों के हेडक्वार्टर भी शामिल थे। भारतीय सेना ने 100 किलोमीटर तक पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकवादी अड्डों पर सटीक एयरस्ट्राइक की। साथ ही, भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के एफ-16 विमान को मार गिराया। इस ऑपरेशन ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अपनी सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। जय हिंद! ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके के अंदर आतंकवादियों के 9 ठिकानों को तबाह कर दिया। इन ठिकानों में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे प्रमुख आतंकवादी संगठनों के हेडक्वार्टर शामिल थे। इस सैन्य कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए भारतीय सेना ने पाकिस्तान और आतंकवादियों को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार के समझौते के लिए तैयार नहीं है।

> भारत ने हाल ही में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के खिलाफ एक ऐतिहासिक सैन्य ऑपरेशन ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, जो केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारतीय सेना की ताकत, साहस और आत्म-निर्भरता का प्रतीक है। यह ऑपरेशन आतंकवाद के खिलाफ एक बड़े कदम के रूप में सामने आया और पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि जब बात अपनी सुरक्षा और सम्मान की होती है, तो भारत कभी भी पीछे नहीं हटेगा।

भारत के लिए आतंकवाद केवल एक सैन्य चुनौती नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकट बन चुका है। पाकिस्तान की ओर से निरंतर आतंकवादी हमलों और सीमा पार आतंकवाद के कारण भारत के नागरिकों और सैनिकों की जानों का नुकसान हो रहा था। इन हमलों में न सिर्फ भारतीय सेना के जवानों की शहादत हो रही थी, बल्कि निर्दोष नागरिकों की भी जानें जा रही थीं। भारत ने हमेशा आतंकवाद के खिलाफ कूटनीतिक और सैन्य तरीके से कदम उठाए हैं, लेकिन अब यह स्पष्ट हो चुका था कि आतंकवाद के ठिकानों को नष्ट करने के लिए एक निर्णायक सैन्य कार्रवाई की आवश्यकता है।

ऑपरेशन सिंदूर की योजना को गुप्त रखते हुए भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी अड्डों पर हमले की रणनीति बनाई। इसके तहत भारतीय वायुसेना द्वारा भारी एयरस्ट्राइक की योजना बनाई गई, जिसमें 100 किलोमीटर तक पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया गया। इस हमले में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों के हेडक्वार्टर समेत 9 महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारतीय सेना ने यह सुनिश्चित किया कि ऑपरेशन को हर पहलू से सफल और प्रभावी बनाया जाए, ताकि आतंकवादियों को कोई मौका न मिले और भारत के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

ऑपरेशन सिंदूर की सबसे बड़ी सफलता यह थी कि भारतीय सेना ने बिना किसी बड़े युद्ध के पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई में भारत ने यह सिद्ध कर दिया कि वह किसी भी आतंकवादी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगा और अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगा। भारतीय वायुसेना ने अपनी एयरस्ट्राइक के माध्यम से पाकिस्तान और पीओके के भीतर आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया। यह हमला इतनी सटीकता से किया गया कि न केवल आतंकवादियों के शरणस्थलों को नष्ट किया गया, बल्कि पाकिस्तान और आतंकवादियों को यह भी संदेश दिया गया कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है।

इस सैन्य कार्रवाई के दौरान भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के एक एफ-16 विमान को मार गिराया, जो भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। यह घटना यह साबित करती है कि भारत अपनी वायुसीमा की सुरक्षा को लेकर अत्यधिक सतर्क है और कोई भी घुसपैठ बर्दाश्त नहीं करेगा। भारतीय सेना और एयरफोर्स की त्वरित प्रतिक्रिया ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत किसी भी चुनौती का मुकाबला करने के लिए पूरी तरह से सक्षम है।

ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल पाकिस्तान, बल्कि पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति में कोई भी समझौता करने के लिए तैयार नहीं है। भारत के इस साहसिक कदम ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया। भारत ने यह साबित कर दिया कि वह किसी भी देश के आतंकवाद को अपने भीतर बर्दाश्त नहीं करेगा, चाहे वह देश पाकिस्तान हो या कोई और।

इस ऑपरेशन के बाद अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में भारत की सैन्य क्षमता और रणनीतिक सोच की सराहना की गई। पाकिस्तान के कई सहयोगी देशों ने भारत की सैन्य कार्रवाई को लेकर बयान दिए, लेकिन इन बयानों से यह स्पष्ट हो गया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई को लेकर दुनिया के देशों का रुख सकारात्मक था। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने भारत के इस कदम को आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के रूप में देखा। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है, लेकिन भारत का यह कदम पूरी तरह से आत्म-रक्षा और आतंकवाद के खिलाफ था। पाकिस्तान हमेशा से भारत को आतंकवाद के प्रति अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए दबाव डालता रहा है, लेकिन भारत ने यह साबित कर दिया कि वह अपनी सुरक्षा के लिए कोई भी कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। पाकिस्तान की तरफ से भारतीय कार्रवाई की आलोचना की गई, लेकिन भारत ने स्पष्ट रूप से कहा कि उसकी कार्रवाई का उद्देश्य केवल आतंकवाद को खत्म करना है और पाकिस्तान से यह उम्मीद की जाती है कि वह अपनी भूमि पर आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए कदम उठाए। भारत के इस कदम ने पाकिस्तान को यह सिखा दिया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सिर्फ युद्ध और सैन्य कार्यवाहियों से नहीं, बल्कि कूटनीति और आंतरिक सुरक्षा से भी लड़ी जाती है। पाकिस्तान को यह समझने की आवश्यकता है कि यदि वह आतंकवाद को बढ़ावा देता रहेगा, तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

भारतीय परमाणु परीक्षण पोखरण 2 की सफलता डॉ. भाभा की देन

भारत में महान परमाणु वैज्ञानिक डा भाभा की योजना को साकार करने की दिशा में पहला कदम था अप्सरा अनुसंधान रिएक्टर का निर्माण जिसे भारत व यूनाइटेड किंगडम की सहायता से सन 1956 में अप्सरा रिएक्टर क्रांतिक यानी चालु हो गया व यूनाइटेड किंगडम द्वारा आवश्यक ईंधन यूरेनियम की आपूर्ति की गई यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह स्वमिंग पुल रिएक्टर है जिसके उपर से सभी नाभिकीय अभिक्रिया दिखाई देता है ।अप्सरा रिएक्टर के पूरा होने से पहले, साइरस रिएक्टर के निर्माण की योजनाएँ तैयार की गईं। कनाडा के सहयोग से भारत के मुंबई स्थित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में सन 1955 में साइरस (CIRUS) रिएक्टर के निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ इसमें ईंधन व भारी पानी की आपूर्ति में यू.एस. की भागीदारी आई।बाद में भारत में ही रिएक्टर के लिए भारी पानी ड्यूटोरियम, फरवरी 1982 में भारी पानी बोर्ड, परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा बनाए जाने लगा। रेडियो आइसोटोप विकसित करने के अनुसंधान रिएक्टरों की जरूरत होती है जिसमें विखंडित कृत्रिम तत्व से रेडियो आइसोटोप बनाया जाता हे जिससे गामा या अल्फा किरणें निकलती है , गामा किरणों के प्रभाव से कैंसर के सेल को खत्म किया जाता है व इन किरणों के प्रभाव से फसल की पैदावार को बढ़ना व खाद्य पदार्थों को बहुत दिनों तक सुरक्षित रखना इसके अलावा वेल्डिंग त्रुटि को पहचान हेतु औधौगिक रेडियोग्राफी में बहुतायत में उपयोग किया जाता है जैसे गामा-किरणों के विकिरण में आइसोटोप से उत्सर्जित ऊर्जा कृत्रिम रूप से उत्पादित आइसोटोप का गामा रेडियोग्राफी के क्षेत्र में उपयोग होता हैं। .अल्फा एमिटर आइसोटोप का उपयोग पेसमेकर, सैटेलाइट बैटरी, व स्मोक डिटेक्टर में किया जाता है।पोखरण परमाणु परीक्षण 2 को 11,मई 1998 में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा बहुत मेहनत से आयोजित किया गया था। पोखरण 2 का कोड वर्ड (नाम) ऑपरेशन शक्ति था। यह भारत द्वारा किए गए परमाणु परीक्षण का दूसरा उदाहरण था। पहला परीक्षण, के कोड -का नाम स्माइलिंग बुद्धा मई 1974 में आयोजित किया गया था। इसमें सिर्फ अनियंत्रित नाभिकीय विखंडन के द्वारा किया गया एटम बम का परिक्षण किया गया था लेकिन 11मई,1998 को किए गए परमाणु परीक्षण उससे कहीं और ज्यादा शक्तिशाली था व जिसे हाईड्रोजन बम के नाम से भी जाना जाता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है मां

रमेश सर्राफ धमोरा

मां एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रम्हांड समा जाए। जब हम मां बोलने के लिए मुंह खोलते हैं तो शब्द के उच्चारण के साथ ही पूरा मुंह भर जाता है। मां ममता की मूरत होती है। पूरी दुनिया के सभी धर्मों नेमां के रिश्ते को सबसे पवित्र माना गया है। अपने बच्चों के प्रति मां का प्यार, दुलार, समर्पण और त्याग अनमोल होता है। मां को सम्मान देने के लिए पूरी दुनिया में मई माह के दूसरे रविवार को मातृत्व दिवस (मदर डे) के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में इस साल 11 मई को मातृ दिवस मनाया जाएगा। एना जार्विस नामक अमेरिकन महिला ने अपनी समाजसेविका मां की स्मृति में 1908 में पहली बार मदर्स डे मनाया था। जिन्होंने महिलाओं के लिए काफी कार्य किए थे।

दुनिया में मां की तुलना भगवान से की जाती है। भारत में गंगा नदी को पवित्र मान कर मां का दर्जा दिया जाता है जो इस बात का संकेत है कि मां अपने आप में एक उपाधि है। कई धार्मिक ग्रंथो में जननी की महिमा का बखान मिलता है। मां होने का अर्थ है उत्तरदायित्व और निस्वार्थता से पूरी तरह से अभिभूत होना। मातृत्व का मतलब है रातों की नींद हराम करना। मां भगवान की सबसे श्रेष्ठ रचना है। उसके जितना त्याग और प्यार कोई नहीं कर सकता है। मां विश्व की जननी है उसके बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही हमारी जन्मदाता होती है और वही हमारी सबसे पहली गुरु होती है। इसीलिए हम धरती को भी धरती माता कहते हैं। जो अपने उपर हम सब का वजन उठाती है।

> मां को संस्कृत में मातर: कहते है। मां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है जिसके माध्यम से परमेश्वर अपने अंश द्वारा अपनी शक्ति का संचार और विस्तार करता है। पुराणों के अनुसार मां का अर्थ लक्ष्मी है। जिस प्रकार मां लक्ष्मी सृष्ठि का पालन करती है उसी प्रकार मां भी शिशु का पालन करती है। इस प्रकार मां को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया। एक मत यह है कि इस सृष्टि का आरंभ मनु और शतरूपा नामक स्त्री-पुरुष के समागम से हुआ। मनु के नाम पर ही उनकी संतान को मनुज या मानव कहा गया। मनु की संतान को जिसने जन्म दिया उसे मां कहा गया।

मातृत्व दिवस पर विशेष

अंतरराष्ट्रीय मातृत्व दिवस माताओं एवं मातृत्व का सम्मान करने वाला दिन होता है। एक मां सभी की जगह ले सकती है। लेकिन उनकी जगह कोई और नहीं ले सकता है। मां अपने बच्चों की हर प्रकार से रक्षा और उनकी देखभाल करती है। इसलिए मां को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है। मां वह शख्स होती है जो नो माह तक अपने बच्चे को कोख में रखकर जन्म देती है। उसके बाद उसका लालन-पालन करती है। कुछ भी हो जाए लेकिन एक मां का अपने बच्चों के प्रति स्नेह कभी कम नहीं होता है। वह खुद से भी ज्यादा अपने बच्चों के सुख सुविधाओं को लेकर चिंतित रहती है। मां अपनी संतान की रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी विपत्तियों का सामना करने का साहस रखती है।

देखा जाए तो मातृ दिवस का इतिहास सदियों पुराना एवं प्राचीन है। यूनान में परमेश्वर की मां को सम्मानित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता था। 16वीं सदी में इंग्लैंड का ईसाई समुदाय ईशु की मां मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए इस दिवस को त्योहार के रूप में मनाये जाने की शुरुवात हुई। 'मदर्स डे' मनाने का मूल कारण समस्त माताओं को सम्मान देना और एक शिशु के उत्थान में उसकी महान भूमिका को सलाम करना है।

मातृत्व दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने आठ मई 1914 को लिया था। राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने और मां के सम्मान में एक दिन के अवकाश की सार्वजनिक घोषणा की थी। वे समझ रहे थे कि सम्मान, श्रद्धा के साथ माताओं का सशक्तिकरण होना चाहिए। जिससे मातृत्व शक्ति के प्रभाव से युद्धों की विभीषिका रुके। तत्पश्चात हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। वर्तमान में ये भारत के साथ यूके, चीन, यूएस, मेक्सिको, डेनमार्क, इटली, फिनलैण्ड, तुर्की, ऑस्ट्रेलिया, कैनेडा, जापान, बेल्जियम सहित कई देशों में मनाया जाता है। हर साल माताओं के प्रति अपने आदर और सम्मान को व्यक्त करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। हमारे देश में गाय को भी गौमाता कह कर पुकारते हैं जो हमें अपने अपना दूध पिला कर बड़ा करती है। मां हमारे जीवन की सबसे प्रमुख हस्ती होती है जो बिना कुछ पाने की उम्मीद किए सिर्फ देती ही रहती है। मां का प्यार निस्वार्थ होता है जो हम अपने पूरे जीवन में किसी और से प्राप्त नहीं कर सकते हैं। मां बच्चे की पहली गुरु होती है। भारतीय संस्कृति तथा कुछ ग्रंथों के अनुसार मां शब्द की उत्पत्ति गोवंश से हुई। गाय का बछड़ा जब जन्म लेता है तो उसके सर्वप्रथम रंभानें में जो स्वर निकालता है वह मां होता है। यानी कि बछड़ा अपनी जन्मदात्री को मां के नाम से पुकारता है। इस प्रकार जन्म देने वाली को मां कहकर पुकारा जाने लगा। शास्त्रों के अनुसार सर्वप्रथम बछड़े ने ही अपनी मां गाय को रंभाकर मां पुकारा और वहीं से इस शब्द की उत्पत्ति हुई।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

वाल्मीकि रामायण के इस श्लोक में आचार्य वाल्मीकि कहते हैं कि माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर होता है और उनके चरणों में ही वैकुंठ धाम है।

नास्ति मातृसमा छाया, नास्ति मातृसमा गतिः।
नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रिया।।

यह श्लोक जीवन में माता के महत्व को बताता है। इस श्लोक में कहा गया है माता के समान कोई छाया नहीं है और न ही उनके समान कोई सहारा है। न तो दुनिया में मां के समान कोई रक्षक नहीं और उनके समान कोई प्रिय वस्तु भी नहीं है। महाभारत में एक प्रसंग के दौरान जब यक्ष धर्मराज युधिष्ठर से सवाल पूछते हैं कि भूमि से भारी कौन है। तब युधिष्ठर कहते हैं कि माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं। अर्थात संसार में माता का स्थान सबसे अधिक गौरवपूर्ण है। दुनिया में हर शब्द का अर्थ समझा और समझाया जा सकता है। लेकिन मां शब्द का अर्थ समझना और समझाना दोनों ही लगभग नामुमकिन है। मां शब्द का अर्थ समझाना इसलिए नामुमकिन है क्योंकि मां के प्यार को मां के बलिदान को शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। इसे सिर्फ अनुभव किया जा सकता है। मां के दिल में जितना प्यार अपने बच्चों के लिए होता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8363

■	1		2	■	3			4
5		■	6			■	■	
	■	7		■	8	9	■	
10	11				■	12	13	
■		■		■	14	■		■
15		16	■	17		18		19
	■	20	21	■	22		■	
	■	■	23			■	24	
25				■	26			■

बाएँ से दाएँ

1. ईश वंदना-3
3. हाथ की तीसरी अंगुली-4
5. आगमन-2
6. स्वादिष्ट-3
7. हरसिंगार, पारिजात-2
8. क्रिकेट में बनते हैं-2
10. खौलना, उबलना-5
12. धनवान-3
15. खोदना-3
17. चुनाव, चयन-5
20. नसीब(अंग्रेजी-2)
22. कलर-2
23. रक्षक, संकटमोचक-3
24. कार्य, काज-2
25. सुंघनी, नस-4
26. पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1. रुपए का सोलहवां भाग-2
2. कुलबुलाना, तड़पना-5
3. जो कभी बूढ़ा न हो-3
4. बंदूक की गोली-4
5. अभिलेख, लेख-3
7. रात, रात्रि (उर्दू-2)
9. मादा का विलोम-2
11. धुन, लगाव-3
13. चरित्र, नीयत-3
14. तफरीह-5
15. अनाज रखने की जगह-4
16. टोंटी, नलका-2
18. बहुमूल्य रत्न-2
19. अनाथ, बेसहारा-3
21. डोली उठाने वाले-3
24. सफेद का विलोम -2

शब्द पहेली -8362 का हल

झ	न्डा	■	ते	■	प	■	श	क
र	■	दा	ल	■	री	ता	■	ल
ना	खु	दा	■	पा	■	रा	इ	मा
■	श	■	अ	ला	वा	■	न्द्र	■
ब	ग	दा	द	■	स	म	ध	न
■	वा	■	द	ल	ना	■	नु	■
ग	र	म	■	क्ष	■	ऋ	ष	भ
र	■	स्त	र	■	कृ	षि	■	ला
ल	ब	■	क्षा	■	मि	■	ता	ई

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

11 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

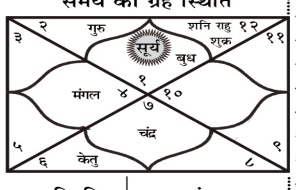

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.38 बजे से
चंद्र	तुला में	मिथुन	07.36 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.49 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.05 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.17 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.28 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.43 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.59 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.04 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		कुंभ	00.50 बजे से
		मीन	02.23 बजे से
		मेष	03.54 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 131 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 20.02 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती अहोरात्र।
योग व्यतीपात 05.01 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** गर 06.47 बजे तदनन्तर वणिज 20.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 13.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 53'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872341
जूलियन दिन 2460806.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद **तारीख** 12
विशेष नरसिम्हा जयंती, छिन्नमस्ता जयंती, मातृ दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से 07.23	बजे तक	शुभ	05.36	से 07.09	बजे तक
चर	07.23	से 08.51	बजे तक	अमृत	07.09	से 08.41	बजे तक
लाभ	08.51	से 10.18	बजे तक	चर	08.41	से 10.14	बजे तक
अमृत	10.18	से 11.46	बजे तक	रोग	10.14	से 11.46	बजे तक
काल	11.46	से 01.14	बजे तक	काल	11.46	से 01.19	बजे तक
शुभ	01.14	से 02.41	बजे तक	लाभ	01.19	से 02.51	बजे तक
रोग	02.41	से 04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51	से 04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09	से 05.36	बजे तक	शुभ	04.24	से 05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

अनूपपुर एसडीएम होंगे कमलेश पुरी,संभाला पदभार

अनूपपुर। मध्य प्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल के आदेश पर जिला मऊगंज से स्थानांतरित होकर आए डिप्टी कलेक्टर कमलेश पुरी को कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी अनूपपुर पदस्थ करते हुये अजीत तिर्की, संयुक्त कलेक्टर/अनुविभागीय अधिकारी कोतमा को अनुविभागीय अधिकारी अनूपपुर के दायित्वों से मुक्त किया है।आदेश के परिपेक्ष में नवागत एसडीएम अनूपपुर ने अपना पदभार संभाल लिया है।

इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों पर फैलाई जा रही अफवाह व भ्रामक जानकारियों पर न दें ध्यान

अनूपपुर। जिला प्रशासन अनूपपुर एवं पुलिस प्रशासन ने जिलवासियों से अपील की है कि वर्तमान संवेदनशील समय में इंटरनेट मीडिया पर भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव से संबंधित विभिन्न प्रकार की अफवाहें और भ्रामक खबरें फैलाई जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान द्वारा सभी नागरिकों से अपील करते हुए ऐसी किसी भी अप्रमाणित खबर या अफवाह पर विश्वास न करें और न ही उन्हें किसी भी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर भेजें। कुछ असामाजिक तत्व जानबूझकर शांति व्यवस्था भंग करने के उद्देश्य से गलत सूचनाएं प्रसारित कर रहे हैं। ऐसी अफवाहों पर ध्यान देना या उन्हें फैलाना, आपके और समाज के लिए हानिकारक हो सकता है और यह कानूनी अपराध भी है। भारत सरकार, राज्य सरकार, रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय या विश्वसनीय समाचार प्रतिष्ठानों द्वारा जारी की गई आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। यदि किसी को कोई ऐसी जानकारी मिलती है जो चिंताजनक है तो उसकी सत्यता की पुष्टि आधिकारिक सूत्रों सेअवश्य करें। यदि आपको इंटरनेट मीडिया पर कोई ऐसी पोस्ट, मैसेज, फोटो या वीडियो दिखाई देता है जो अफवाह फैला रहा है या भ्रामक है तो उसकी सूचना तत्काल नजदीकी थाने को अथवा जिला सायबर सेल को दें। वर्तमान स्थिति को देखते हुए सायबर अटेक की संभावना है। अतः किसी भी अनजान लिंक साइट पर क्लिक न करें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या सूचना के लिए तत्काल अपने नजदीकी थाने से संपर्क करें।

152 लीटर अवैध शराब से भरी बोलेरो पकड़ाई

अनूपपुर। शराब तस्करों पर लगातार कार्रवाई कर रही पुलिस को शुक्रवार शाम बड़ी सफलता मिली। राजेन्द्रग्राम थाना पुलिस ने 152 लीटर अवैध देशी और अंग्रेजी शराब से भरी बोलेरो जब्त की। वाहन चालक मजीठा हार की पुरानी नहर के पास गाड़ी छोड़कर जंगल की ओर भाग निकला, लेकिन पुलिस ने 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी, बोलेरो को देख भागा तस्कर

8 मई को पुलिस को सूचना मिली थी कि सफेद रंग की बोलेरो (एमपी 18 टी 3186) में अवैध शराब अनूपपुर से धनपुरी-मजीठा की ओर ले जाई जा रही है। तत्काल थाना प्रभारी के निर्देशन में टीम रवाना हुई। जैसे ही बोलेरो मजीठा गांव की ओर मुड़ी, पुलिस ने पीछा किया। मजीठा हार की नहर के पास रास्ता खत्म होने पर आरोपी बोलेरो को छोड़ भाग निकला।

वाहन की तलाशी लेने पर पीछे की सीट पर खाकी रंग के कागज की 14 पेटियों में भरी अवैध शराब मिली देशी प्लेन शराब 50 पाव (180द्वद्य), कीमत 3,500 जीनियस व्हिस्की 99 पाव (180द्वद्य), कीमत 12,870ब्लूचिप व्हिस्की 97 पाव (180द्वद्य), कीमत 12,610पावर 10000 बीयर 216 कैन (500), कीमत 25,920कुल शराब 152 लीटर 280द्वद्य, बाजार मूल्य 54,900 इसके साथ बोलेरो वाहन (कीमत लगभग 8 लाख) को भी जब्त किया गया ो पुलिस ने फरार चालक की पहचान दिनेश सिंह मार्को (47 वर्ष), निवासी करनपठार के रूप में की। शनिवार 9 मई को आरोपी को पकड़ लिया गया। आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 91/2025, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच जारी है। पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अनूपपुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व एसडीओपी पुष्पराजगढ़ के निर्देशन में की गई।

बुलडोजर सिर्फ बयानों में, पशु तस्करों पर कार्रवाई टली, गांधी चौक पर विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल का प्रदर्शन

कलेक्टर की दो टूक-बुलडोजर नहीं चलेगा बिना नियम, पशु तस्करों पर कार्रवाई जारी

विजय मत, अनूपपुर

नगर में बीते एक सप्ताह से पशु तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर चल रही बहस ने शनिवार को और तूल पकड़ लिया, जब विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने गांधी चौक पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन शाम 4 बजे शुरू हुआ और देर रात तक चलता रहा। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग थी–पशु तस्करी में लिप्त बल्लू और वाजिद के मकान पर अविलंब बुलडोजर चलाया जाए।

इस दौरान प्रशासन की ओर से नायब तहसीलदार बिजुरी और कोतमा थाना प्रभारी सुंदरेष सिंह मरावी मौके पर मौजूद रहे। नगर पालिका के अधिकारी भी उपस्थित थे, लेकिन सभी की उपस्थिति के बावजूद प्रदर्शनकारियों की नाराज़गी कम नहीं हुई। संगठन के पदाधिकारी लगातार यह मांग करते रहे कि जब मकान से अवैध पिस्टल और मांस बरामद हुआ है, तो फिर अब तक बुलडोजर क्यों नहीं चला?

मंत्री और प्रशासन के वादों पर उठे सवाल

बता दें कि कुछ दिन पहले कोतमा विधायक एवं राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे और खुद

बुलडोजर चलाए जाने की बात कही थी। इसके अलावा जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार ने भी तस्करों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया था। बावजूद इसके, अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रशासन द्वारा शनिवार दोपहर यह जानकारी दी गई थी कि बल्लू वाजिद के मकान पर बुलडोजर चलाया जाएगा। लेकिन अंतिम क्षणों में कार्रवाई रोक दी गई, जिससे नाराज संगठन कार्यकर्ताओं ने गांधी चौक में मोर्चा खोल दिया। एक अधिकारी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट की गाइडलाइंस के अनुसार किसी के मकान पर तत्काल बुलडोजर नहीं चलाया जा सकता। पहले कानूनी प्रक्रिया पूरी करना आवश्यक होता है। लेकिन अब सवाल यह उठता है कि यदि कोर्ट की यही गाइडलाइन लागू है, तो पिछले एक सप्ताह से मंत्री, विधायक और नगर पालिका प्रशासन किस आधार पर कार्रवाई के बयान दे रहे थे?

नगर पालिका प्रशासन ने तो तीन दिन के भीतर जवाब देने का नोटिस तक चस्पा किया था, जिसमें साफ तौर पर लिखा था कि जवाब नहीं मिला तो भवन पर कार्रवाई होगी। अब जब बुलडोजर नहीं चला, तो आम जनता में यह आक्रोश है कि कहीं यह सब सिर्फ दिखावा तो नहीं था?

प्रदर्शन जारी, जनता के सवाल कायम

वहीं दूसरी ओर, गांधी चौक पर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद का प्रदर्शन अब भी जारी है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब प्रशासन को कोर्ट की गाइडलाइन पहले से ज्ञात थी, तो फिर बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर जनता को गुमराह क्यों किया गया? नगर पालिका द्वारा नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब की चेतावनी भी अब सवालों के घेरे में है।

बुलडोजर कार्रवाई पर कलेक्टर की सफाई:

कानून से बाहर नहीं जाएगा प्रशासन, पशु तस्करों पर कार्रवाई जारी - कोतमा में पशु तस्करों के खिलाफ चल रहे धरना-प्रदर्शन और बुलडोजर की मांग के बीच शनिवार को अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने मीडिया से बातचीत में स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की कार्रवाई नियम और कोर्ट की गाइडलाइन के तहत ही की जाएगी।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा, जिले की कमान मेरे पास है और निर्णय मुझे लेना है। हम किसी के घर पर यूं ही बुलडोजर नहीं चला सकते। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट की गाइडलाइंस के अनुसार, किसी भी मकान पर बुलडोजर चलाने से पहले कानूनी प्रक्रिया पूरी करना ज़रूरी है। इसके लिए स्पष्ट नियम बने हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन की बैठक हो चुकी है, जिसमें उन्होंने पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए हैं कि पशु तस्करों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही जिले की सीमाओं पर बैरियर लगाकर चेकिंग तेज करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं, ताकि पशु तस्करी रोकी जा सके।कलेक्टर ने यह भी स्वीकार किया कि बुलडोजर कार्रवाई को लेकर हाई कोर्ट ने अनूपपुर प्रशासन को फटकार लगाई है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इस फटकार के बावजूद प्रशासन कानून के दायरे में रहकर पशु तस्करों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई कर रहा है और करता रहेगा। मीडिया के माध्यम से मैं जनता को यह भरोसा दिलाना चाहता हूं कि हमारी प्राथमिकता कानून का पालन करते हुए अपराध पर लगाम लगाना है ।

कॉरपोरेट राज बनाम जनता की आवाज़: छतई में उबलता किसान गुस्सा

किसानों की जमीन हड़पकर अब ज़हरीली हवा परोसने की तैयारी

विजय मत, अनूपपुर

जिले के कोतमा विधानसभा के अंतिम छोर पर स्थित छतई गांव के किसानों के साथ वर्षों से हो रहे अन्याय ने अब विस्फोटक रूप ले लिया है। जिस ज़मीन को किसानों ने अपने खून-पसीने से सींचा था, वही ज़मीन अब देश के सबसे ताक़तवर उद्योगपति अडानी ग्रुप को सौंप दी गई है–बिना किसानों को पूरा मुआवजा दिए, बिना पुनर्वास की योजना बनाए और बिना जनता की सहमति के।2012 में बिलासपुर की एक कंपनी ने 371 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित की थी। न मुआवजा दिया गया, न कोई काम शुरू हुआ। अब वही अधिग्रहण अडानी के हाथों में सौंप कर प्रशासन और उद्योगपतियों ने साफ संदेश दे दिया है- किसानों की नहीं, कॉरपोरेट की चलेगी।

किसानों की जमीन हड़प, अब सांस लेने लायक हवा भी छीनेंगे–3200 मेगावाट के इस कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट की योजना

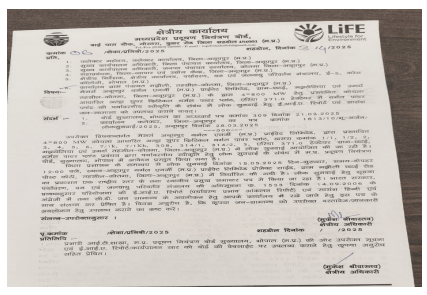

छतई में बनाई गई है, जो चारों तरफ से बस्तियों से घिरा हुआ है। गुलिडाड, छतई मझौली, उमर्दा जैसे गांवों में हज़ारों लोग बसते हैं। सात किलोमीटर के दायरे में 50,000 से ज़्यादा लोग इस पावर प्लांट की राख और धुएं के संपर्क में आएंगे।

जनता से छिपाकर, अफसरों को मैनेज कर रही है कंपनी–किसानों का आरोप है कि 'अनूपपुर एग्रो पावर एनर्जी' का पूरा प्रबंधन गुपचुप तरीके से जनसुनवाई की प्रक्रिया को निपटाने में लगा है। न कोई सार्वजनिक सूचना, न कोई खुली बैठक। स्थानीय जनता को दरकिनार कर, सत्ता से जुड़े प्रभावशाली लोगों को साधा जा रहा है। क्या यह लोकतंत्र है या कॉरपोरेट तंत्र?

किसानों की चेतावनी – नहीं रुकेंगे अब–छतई के किसान अब खुलकर सामने आ चुके हैं। कई दर्जन किसान अदालत का दरवाज़ा खटखटा चुके हैं, और गांव-गांव में विरोध की आग फैल रही है। अगर प्रशासन और सरकार ने समय रहते निर्णय नहीं लिया, तो यह आंदोलन ज़िला नहीं, प्रदेश भर में फैल सकता है।गुलिडाड के किसान राजेश साहू कहते हैं, हमारी ज़मीन छीन ली, अब हमारी हवा, पानी और ज़िंदगी भी छीनना चाहते हैं? अबकी बार चुप नहीं बैठेंगे।

सरकार की चुप्पी और कंपनी की चालाकी अगर जल्द नहीं टूटी, तो यह चिंगारी एक दिन बड़ा जन आंदोलन बन जाएगी। और जब किसान सड़कों पर उतरता है, तो सत्ता की नींव हिल जाती है।

अप्रत्याशित परिस्थितियो को दृष्टिगत रख समस्त शासकीय सेवकों के अवकाश प्रतिबंधित

अनूपपुर । मध्य प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा वर्तमान की अप्रत्याशित परिस्थितियों को दृष्टिगत रख समस्त शासकीय सेवकों के अवकाश प्रतिबंधित किए हैं। निर्देशित किया गया है कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, गृह विभाग, ऊर्जा विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, जल संसाधन विभाग, नर्मदा घाटी विकास विभाग, परिवहन विभाग समस्त शासकीय सेवक अपने मुख्यालय पर अनिवार्यता उपस्थित रहेंगे। विशेष परिस्थितियों में यथा स्वंय अथवा स्वंय के परिवार में विवाह, प्रसूति एवं संतान पालन, गंभीर बीमारी, दुर्घटना, स्वंय के परिवार में घटित अप्रत्याशित घटना आदि के संबंध में जिला स्तर पर कलेक्टर एवं राज्य स्तर पर विभाग के भारसाधक सचिव द्वारा अवकाश स्वीकृत/अनुमति प्रदान की जा सकेगी। उपरोक्त विभागों के अतिरिक्त अन्य विभागों के शासकीय सेवकों के अवकाश आवेदनों पर अतिआवश्यक होने पर ही स्वीकृति सक्षम स्तर से प्रदान की जा सकेंगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने समस्त शासकीय विभागों को निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

लोक अदालत ने छह साल पुराने गाँव के विवाद को सुलझाया

अनूपपुर। छह साल से चले आ रहे जिले के तहसील कोतमा के ग्राम सकोला के एक पुराने विवाद को लोक अदालत ने सुलझा दिया है, जिससे दो परिवारों के बीच की दुश्मनी अब मिट गई है और गाँव में एक बार फिर शांति कायम हुई है। यह विवाद वर्ष 2019 में गांव के मामूली विवाद को लेकर शुरू हुआ था ।मामला पुलिस और निचली अदालत तक पहुँचा, लेकिन न्याय की प्रक्रिया लंबी खिंचती रही आखिरकार, लोक अदालत ने इस मामले को सुना और दोनों पक्षों को समझौते के लिए राजी किया। दोनों पक्ष छह साल पुरानी दुश्मनी को भुलाकर एक-दूसरे से गले मिले। यह कार्य लोक अदालत के माध्यम से संभव हो सका लोक अदालत के न्यायाधीश अमनदीप सिंह छाबड़ा ने कहा, ‘‘हमारा उद्देश्य सिर्फ कानूनी विवाद सुलझाना नहीं, बल्कि लोगों के दिलों को जोड़ना भी है।’’इस तरह, लोक अदालत ने न सिर्फ एक वर्षों पुराने विवाद को सुलझाया, बल्कि गाँव में शांति और एकता की मिसाल भी पेश की।

नागरिक सुरक्षा के आवश्यक प्रबंध तथा जागरूकता सुनिश्चित करें -कलेक्टर

औद्योगिक संस्थानों में कार्यरत कार्मिकों का कराया जाए सत्यापन- एसपी

विजय मत, शहडोल

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए जिले में आपदा प्रबंधन के तहत नागरिक सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रबंध किए जाने के निर्देश दिए हैं कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन बैठक में सर्व संबंधित विभागों के अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोहम्मद इसरार मंसूरी सभी अनुविभागीय दंडाधिकारी सभी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व सर्व संबंधित विभागों के अधिकारी व औद्योगिक संस्थानों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने आपदा प्रबंधन के तहत की जाने वाली सभी आवश्यक तैयारियां पूर्व से सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए हैं उन्होंने कहा है कि राज्य शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए उन्होंने बैठक में जिले में आवश्यक सेवाओं की समुचित व्यवस्था स्वास्थ्य सेवाओं के तहत चिकित्सालय मे सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चिकित्सक तथा पैरामेडिकल स्टाफ की शत प्रतिशत उपस्थिति तथा आपदा प्रबंधन के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं उन्होंने नगरीय निकायों में मॉक ड्रिल की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं, फायर ब्रिगेड, सफाई अमला, पेयजल तथा शेल्टर पॉइंट निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए हैं उन्होंने खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग को आवश्यक राशन व्यवस्था सुनिश्चित करने सहित पंचायत ग्रामीण विकास, उर्जा तथा आपदा प्रबंधन के अंतर्गत की जाने वाली सभी कार्यवाहियों के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी पूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने सभी अत्यावश्यक सेवाओं से जुड़े विभागों के अधिकारियों को जिला आपदा प्रबंधन कार्य योजना के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने वर्तमान परिदृश्य को दृष्टिगत रखते हुए24म7 जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित करने तथा कंट्रोल रूम के संपर्क नंबर का व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने अनुविभागीय दंडाधिकारियों तथा अनुविभागीय अधिकारियों पुलिस को अपने क्षेत्र अंतर्गत सभी आवश्यक प्रबंध, चौकसी तथा निगरानी, कानून व्यवस्था संबंधी निर्देश दिए हैं

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने नागरिक सुरक्षा के तहत सभी आवश्यक प्रबंध तथा नागरिकों को आपात स्थिति में आवश्यक सावधानियां तथा बचाव के तरीकों से अवगत कराने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर नागरिकों को तात्कालिक सूचना के लिए पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम को चिन्हित करने तथा आवश्यकता होने पर उपयोग के निर्देश दिए हैं उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका अधिकारियों को रेड तथा ग्रीन अलर्ट सूचना के लिए सायरन की आवश्यक व्यवस्था के संबंध में भी निर्देशित किया है। बैठक में पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने हॉस्पिटल बिल्डिंग के ऊपरी छत पर रेड कलर से रेड क्रॉस का निशान सुरक्षा के दृष्टि से लगाए जाने के निर्देश दिए हैं उन्होंने आवश्यक चिकित्सा व्यवस्थाएं, ऑक्सीजन व रक्त की पर्याप्त उपलब्धता स्वास्थ्य संस्थानों में सुरक्षा कर्मियों के तैनाती, मॉक ड्रिल, साफ सफाई, फायर ब्रिगेड आदि के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया उन्होंने औद्योगिक संस्थानों में कार्यरत लोगों तथा संविदाकार के स्टाफ का सत्यापन कराए जाने के निर्देश दिए उन्होंने बैठक में पुलिस अधिकारियों को बलवा सुरक्षा प्रबंधन का रिव्यू, सुरक्षा के लिहाज से मोबाइल सिम सेलर से सिम विक्रय की आवश्यक जानकारी रखने तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक आदि में किसी तरह की भ्रामक पोस्ट ना हो इस पर नजर रखने के भी निर्देश दिए हैं

कार्यवाही

राजेन्द्र टाकीज के पीछे बहुचर्चित जमीन अतिक्रमण का मामला, प्रशासन एक्शन में

मामला करोड़ों रुपए की जमीन अतिक्रमण का; अब होगा 25 मई को सीमांकन

विजय मत, शहडोल

राजेंद्र टॉकीज के पीछे मस्ता परिवार द्वाराबहुचर्चित भूमि अतिक्रमण के प्रकरण से संबंधित जमीन की सीमांकन के लिए राजस्व व नजूल तथा पटवारी का दल आज सीमांकन के लिए मौका स्थल पर पहुंचा इसी दौरान बरसात होने के कारण कुछ देर के लिए सीमांकन की कार्यवाही प्रभावित हुई लेकिन जैसे ही सीमांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई राजस्व अधिकारियों के स्तर पर बुलाई गई एक बड़ी मीटिंग के कारण राजस्व डाल टीम ने सीमांकन की कार्यवाही तक के लिए टाल दी गई तत्पश्चात 25 में को अगली सीमांकन हेतु तिथि सुनिश्चित करके राजस्व दल ने उपस्थित दोनों पक्षकार शिकायत करता चंद्रिका प्रसाद शुक्ला तथा मिनांशु मस्ता को मौके पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया सीमांकन की प्रक्रिया पूरी हो सके। प्राथमिक दृष्टिकोण में यह पाया गया था की मौका स्थल पर निर्माण कार्य ली गई परमिशन से ज्यादा जमीन पर निर्मित किया गया है साथ ही आप यह भी है कि जिस खसरा नंबर 1849 में तथाकथित किराएदारी के आधार पर स्टेट बैंक के लिए बनाई जा रहे नवीन भवन निर्माण जिस खसरा नंबर 1849 में निर्मित किया जाना है वास्तव में वह 1847 में भूमि अतिक्रमण कर निर्माण किया जा रहा है। हालांकि पक्षकार मस्ता परिवार इस आप से सहमत नहीं है किंतु वह राजस्व अधिकारियों को जांच करने में सहयोग भी करता हुआ दिखाई नहीं दिया जिससे चोर की दाढ़ी में तिनका की कहावत सिद्ध होती दिखाई दे रही है बहरहाल जनसुनवाई में वार्ड नं.-14 निवासी सेवानिवृत्ति मीनिंग सरवर चंद्रिका प्रसाद शुक्ल ने कमिश्नर शहडोल के सामने अपनी समस्या रख कर बताई कि उनकी जमीन सोहागपुर की आराजी खसरा नंबर 1847 के अंश

रकवा 0.040 हे0 क्षेत्र को क्रय कर शहडोल कलेक्ट्रेट में अपनी सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त के बाद भवन रह रहा है। और उनकी निजी जमीन तथा उससे लगे खसरा नंबर 1847 के दक्षिण भाग पर निस्तारू रास्ता था जिसमें पूर्व भूमिस्वामी मिनांसु मस्ता द्वारा गैर कानूनी तरीके से अवैध निर्माण कर विवाद बना रहा है।

बताया जाता है उन्होंने पहले आपसी समझौता के आधार पर निस्तार चलता रहा। अब मेरी जमीन तथा आरक्षित रास्ते की जमीन पर में मिनांसु द्वारा स्टेट बैंक का व्यवसायिक कार्यालय बनाये जाने के कारण स्वतंत्र रास्ता पर अतिक्रमण कर अवैध निर्माण किया जा रहा है।

इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है जबकि नगर पालिका अधिकारी द्वारा मकान के संबंध में जारी की गई अनुमति को अब तक ना तो निरस्त किया गया है और ना ही इस पर कोई प्रभावशाली रोकपूर्ण कार्रवाई की गई है। जिससे आम रास्ता सड़क के लिए आरक्षित की जमीन पर अवैध कब्जा लगातार हो रहा है। देखना यह भी होगा कि स्टेट बैंक अपने फायदे के लिए क्या इस अवैध निर्माण पर अपनी सहमति प्रदान करती है अथवा वह भी भ्रष्टाचार की गंगा में गोता लगाने पर विश्वास करती है। मौके पर उपस्थित अतिक्रमण के आरोपी मिनांशु मस्ता के पिता जेपी मस्ता भी वहां पर उपस्थित रहे उन्होंने कहा की जमीन पूर्व में राजेंद्र नगर के रूप में विकसित की गई थी जिसका टाउन कंट्री प्लानिंग से एक नक्शा भी बना है जिसके आधार पर राजेंद्र नगर का विकास हुआ है जो फिलहाल राजेंद्र टॉकीज के पीछे वाला हिस्सा है। विवाद इस पर भी देखा गया कि रास्ते का निर्धारण टाउन कंट्री प्लानिंग के कथित नक्शे पर आधारित है जो खसरा नंबर 1847 की जमीन का अंश भाग है इस तरह उपस्थित राजस्व दल ने पहली नजर में सीमांकर के साथ खसरा नंबर 1847 और 1849 नंबर की सीमाओं को निर्धारण कर प्राथमिकता के आधार पर इस सीमांकन को 25 में को संपन्न करगें। जबकि शिकायत करता चंडिका प्रसाद शुक्ल का कहना है इस तरह की लेट होने से अतिक्रमणकारियों का मनोबल बढ़ रहा है और वह अतिक्रमण को पूर्ण रूपेण तेजी से कार्य कर अंजाम दे सकता है।

न्यूज इन शॉर्ट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 मई 1857 की क्रांति के वीर सपूतों को किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 10 मई 1857 की ऐतिहासिक क्रांति दिवस पर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूतों और देशभक्तों को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि यह दिन भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है, जब मां भारती की स्वतंत्रता का बिगुल पहली बार फूंका गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि आज उन सभी विभूतियों, सेनानियों और पराक्रमी शूरवीरों को कोटि-कोटि नमन, जिन्होंने मातृभूमि को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 मई 1857 के दिन को भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता की चेतना का जागरण दिवस बताते हुए कहा कि अंग्रेजी शासन की षड्यंत्रकारी नीतियों और राज्य हड़पने की साजिशों के खिलाफ 10 मई 1857 को सशस्त्र क्रांति की ज्वाला धधक उठी थी।

भोपाल में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक पंजीयन शिविर आज

भोपाल। भोपाल में नागरिक सुरक्षा के लिए इच्छुक युवाओं के लिए 11 मई को एक विशेष पंजीयन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस कार्यालय, होमगार्ड लाइन, महिला थाने के पास, प्रातः 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। शिविर में भाग लेने के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को प्रातः 11 बजे उपस्थित होना है। पंजीयन के लिए दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार कार्ड की फोटो कॉपी साथ लाना आवश्यक है। शिविर के दौरान नागरिक सुरक्षा के अंतर्गत स्वयंसेवक के रूप में कार्य करने की प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए शरद यादव, प्लाटून कमांडर, होमगार्ड भोपाल से मोबाइल नंबर-9456945723 पर संपर्क किया जा सकता है। शिविर का उद्देश्य शहर में नागरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना एवं आपातकालीन स्थितियों में सहायता के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करना है।

कलेक्टर सिंह ने किए नोडल अधिकारी नियुक्त

भोपाल। भोपाल जिले विभिन्न मुख्य चौराहों, बड़े भवनों, सार्वजनक स्थलों, भीड़ भाड़ वाले स्थानों, रेल्वे स्टेशन, मुख्य बाजारों स्थलों पर "सायरन/हूटर" की उपलब्धता एवं उनके सुचारू रूप से संचालन के लिए अधिकारियों को दायित्व सौंपें हैं। कलेक्टर एवं कंट्रोलर सिविल डिफेंस कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने आयुक्त नगर पालिक निगम भोपाल हरेन्द्र नारायण नोडल अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, स्मार्ट सिटी भोपाल सुअंजू अरूण कुमार सहायक को नोडल अधिकारी बनाया गया हैं।

रिसोर्स मैपिंग एवं सायरन इंस्टालेशन सुनिश्चित करें, अनुभाग अंतर्गत नागरिक सुरक्षा अधिनियम का दल गठित

भोपाल। वर्तमान परिपस्थितियों को दृष्टिगत एवं नागरिक सुरक्षा अधिनियम-1968 की धाराओं के अनुक्रम में तथा जिला नियंत्रक एवं नागरिक सुरक्षा, जिला भोपाल के निर्देशो के अनुपालन में शनिवार को अपर कलेक्टर (साउथ) की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में नागरिक सुरक्षा से जुड़े सभी विभागीय अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, अपर आयुक्त नगर पालिक निगम भोपाल, जिला चिकित्सा अधिकारी, आपूर्ति अधिकारी, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण, जिला पंचायत, एस.डी.आर.एफ., डिट्रीक्ट कमाण्डेंट होमगार्ड उपस्थित रहे। बैठक में नागरिक सुरक्षा के संबंध में निर्देश दिए गए तथा सब डिविजन मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में उनके अनुभाग अंतर्गत नागरिक सुरक्षा अधिनियम का एक दल का गठन किया जाएगा। यह दल नागरिक सुरक्षा के प्रावधानुसार एवं आपदा नियंत्रण प्रावधानों के अनुरूप बचाव, राहत, तैयारी, जागरूकता इत्यादि विषयों पर कार्य करेगा। साथ ही इस दल को अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत रिसोर्स मैपिंग, सायरन का इंस्टालेशन एवं चैकिंग, उपलब्ध संसाधनों का संधारण, वॉलेंटियर रजिस्ट्रेशन, स्कूल-कॉलेज में मॉकड्रिल आयोजन, स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग प्राप्त कर कार्य करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला भोपाल द्वारा जारी विभिन्न आदेशों जैसे धारा 163 के तहत सोशल मीडिया संबंधी आदेश, पेट्रोल पम्पों पर न्यूनतम स्टॉक सुरक्षित रखने, काला बाजारी एवं जमाखोरी रोकने का आदेश इत्यादि का सक्षमता पूर्वक क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। साथ ही जन जागरूकता के लिए राजनैतिक एवं गैर राजनैतिक संस्थाओं से सहयोग प्राप्त कर नागरिक सुरक्षा के दल को मजबूत करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

अब पॉलिटेक्निक कोर्स दो साल का 12वीं के समकक्ष रहेगा, तकनीकी शिक्षा विभाग ने बोर्ड को भेजा प्रस्ताव

भोपाल। तकनीकी शिक्षा को मुख्यधारा से जोडने् और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में दाखिले को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव तैयार किया है, जिसके तहत पॉलिटेक्निक का दो साल पूरा करने वाले विद्यार्थियों को 12वीं पास के समकक्ष माना जाएगा। यह प्रस्ताव माध्यमिक शिक्षा मंडल को भेजा गया है और यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो शैक्षणिक सत्र 2025-26 से यह व्यवस्था लागू हो सकती है। फिलहाल पॉलिटेक्निक डिप्लोमा तीन साल का होता है और इसे करने के बाद विद्यार्थी सीधे बीई के सेकंड ईयर में प्रवेश के पात्र होते हैं, लेकिन अब तक पॉलिटेक्निक करने वालों को कॉमर्स, आर्ट्स या अन्य मेन स्ट्रीम्स में प्रवेश नहीं मिल पाता है, जिससे वे मुख्यधारा की उच्च शिक्षा से कट जाते थे। इस वजह से कई विद्यार्थी पॉलिटेक्निक में एडमिशन लेने से हिचकिचाते हैं, जिससे तकनीकी शिक्षा संस्थानों में दाखिले घटे हैं। तकनीकी शिक्षा विभाग ने पॉलिटेक्निक में एडमिशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। प्रस्ताव के अनुसार, यदि कोई विद्यार्थी तीन साल के डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेकर कम से कम दो साल की पढ़ाई पूरी करता है, तो उसे हायर सेकंडरी यानी 12वीं कक्षा के समकक्ष माना जाएगा। जानकारों का मानना है कि इस पहल से पॉलिटेक्निक की विश्वसनीयता बढ़ेगी और विद्यार्थियों को करियर के अधिक विकल्प मिलेंगे। इससे न सिर्फ तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि युवाओं को शैक्षणिक लचीलापन भी मिलेगा। माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव केडी त्रिपाठी ने कहा कि प्रस्ताव को बोर्ड में रखा जाएगा। बोर्ड में चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा।

भारतीय शासकीय एजेंसियां, सैन्य कर्मी संस्थान और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जा सकता है

भारत-पाक समाचार के रूप में छुपाई गई फिशिंग लिंक्स और एपीके फाइलों के लिए उच्च सतर्कता

विजय मत, भोपाल

भारत-पाक संघर्ष के चलते साइबर हमले का जोखिम बढ़ गया है। इस स्थिति में भारतीय शासकीय एजेंसियां, सैन्य कर्मी संस्थान और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जा सकता है। भारत-पाक संघर्ष के संबंध में WhatsApp, E-mail और Social Media Platform के माध्यम से तेजी से फैल रही दुष्प्रचार सामग्री के बारे में सतर्क रहना आवश्यक है। इस सामग्री में भ्रामक Videos, Images, '.e&e/.apk' और भारत-पाक संघर्ष से संबंधित समाचार या अपडेट के रूप में Phishing emails, Fake Login Pages और Malicious Attachments जैसी परिष्कृत रणनीति का उपयोग शामिल है। साइबर अपराधी समाचार अथवा सूचनाओं से संबंधित विशेष अपडेट, संघर्ष से संबंधित कथन या लीक हुए फुटेज के बहाने दुष्प्रचार सामग्री प्रसारित कर रहे हैं, जिनमें मैलवेयर, स्पाइवेयर या फिशिंग वेबसाइट्स के लिंक होते हैं। यह सामग्री विभिन्न URL लिंक या अज्ञात नंबरों से भेजी गई

तस्वीरों के रूप में भी हो सकती है जो कि WhatsApp/ Telegram/ अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से बड़ी सरलता से प्रेषित की जा सकती है।

जनता के लिए सलाह

WhatsApp और सोशल मीडिया उपयोग हेतुः-कभी भी अनजान फोन नंबर से भेजे गए वीडियो या इमेज फाइल को Open न करें, भले ही ऐसी फाइल किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा Forward की गई हो जिस पर आप भरोसा करते हैं।

स्वयं भी ऐसे मैसेज फाइल को कभी किसी को या किसी समूह को Forward न करें।

केवल Google Play Store या अधिकृत ऐप स्टोर से ही किसी App को Install करें।

विवादित अपडेट या संवेदनशील फुटेज दिखाने का दावा करने वाले Forward किए गए लिंक पर Click कर Open करने का प्रयास न करें।

यदि आप किसी ऐसे समूह के सदस्य हैं जहां भड़काऊ या असत्यापित सामग्री शेयर की जा रही हो तो ऐसा करने वाले संदिग्ध WhatsApp ग्रुप से बाहर निकलें, रिपोर्ट करें और ऐसे ग्रुप को Delete करें।

साइबर हमला करने के तरीके

- दुष्प्रचार रूप से तैयार की गई. एपीके फाइल, .e&e फाइल और वीडियो फाइल/लिंक को WhatsApp, E-mail, और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निम्नलिखित तरीकों से साझा किया जा रहा है
- संदेशों में फिशिंग लिंक एम्बेड करना जो विश्वसनीय स्रोतों या समूहों के समान प्रतीत होते हैं। वैध समाचार या सरकारी स्रोतों की तरह दिखने के लिए डिजाइन की गई इन फिशिंग वेबसाइट्स के माध्यम से व्यक्तिगत डेटा को चुराया जा सकता है।
- App या Tool (जैसे, Live war updates App) के रूप में लेबल की गई एपीके फाइल्स का प्रसार किया जा रहा है, जिसके माध्यम से डेटा चुराना या डिवाइस को लॉक करके फिरौती की मांग की जा सकती है। इसके अतिरिक्त इन ञ्शश्चद्य के माध्यम से बैंक खाते या सोशल मीडिया खाते आदि को भी हैक किया जा सकता है।

पशुपालन से ही खेती लाभ का व्यवसाय बनेगाः शुक्ल

- **प्रदेश का दुग्ध उत्पादन 50 लाख लीटर प्रतिदिन होगाः लखन पटेल**

विजय मत, भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा जिले के होटल विजय विलास में आयोजित प्रांतीय राजपत्रित पशु चिकित्सक संघ के सम्मेलन का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि निराश्रित और बीमार गौवंश की सेवा तथा पुनर्वास वर्तमान समय की बड़ी चुनौती है। सरकार आधुनिक गौशालाओं का निर्माण कराकर निराश्रित गौवंश को आश्रय देने तथा खेती को बचाने का प्रयास कर रही है। प्रदेश भर में बड़ी संख्या में उन्नत गौशालाओं का निर्माण किया जा रहा है। इनमें हजारों गायों को नया जीवन मिलेगा। इस अभियान में निजी क्षेत्र की भी भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। गौमाता की सेवा से ही मानव जाति का कल्याण होगा।

बाबा साहब अंबेडकर गौ संवर्धन योजना से डेयरी को मिलेगा नया आयामः पटेल

पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा कि पशुपालन विभाग को विभिन्न नवाचारों के माध्यम से आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सदैव पशुपालन विभाग को प्राथमिकता दी है। डेयरी के विकास के लिए बाबा साहब अंबेडकर गौ संवर्धन योजना लागू की गई है। इसमें कम से कम 25 दुधारू पशु की एक यूनिट बनाई गई है। प्रत्येक यूनिट पर पशुपालक को अनुदान दिया जा रहा है। इस योजना से डेयरी व्यवसाय को नया आयाम मिलेगा। अभी प्रदेश में 10 लाख लीटर दूध का प्रतिदिन संग्रहण होता है। इसे 50 लाख लीटर प्रतिदिन करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। समारोह में पशु चिकित्सा अधिकारियों की विभिन्न मांगों के संबंध में मंत्री पटेल ने कहा कि मेडिकल के डॉक्टरों की तरह पशु चिकित्सा अधिकारियों को भी सभी सुविधाएं दी जाएंगी। इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। पशु चिकित्सा संघ की सभी उचित मांगे पूरी की जाएंगी।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में एनर्जी हैंडलिंग का नया कीर्तिमानः तोमर

विजय मत, भोपाल

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि प्रदेश ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में विद्युत प्रणाली के संचालन में ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। इस वर्ष प्रदेश के पारेषण नेटवर्क ने कुल 1,01,039.88 मिलियन यूनिट ऊर्जा का सफलतापूर्वक संचालन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 6.2 प्रतिशत अधिक है।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की विद्युत कंपनियों के अभियंताओं और तकनीशियनों की विशेषज्ञता, कुशल प्रबंधन और विद्युत प्रणाली के उत्कृष्ट रख-रखाव का प्रतिफल है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए तीनों विद्युत कंपनियों के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है।

एक दिन में सर्वाधिक एनर्जी हैंडलिंग का रिकॉर्ड भी बना

ऊर्जा मंत्री तोमर ने बताया कि 24 फरवरी 2025 को मध्यप्रदेश में एक दिन में सर्वाधिक एनर्जी हैडलिंग का रिकॉर्ड भी बना। इस दिन 353.77 मिलियन यूनिट ऊर्जा का सफलतापूर्वक संचालन किया गया, जो राज्य की विद्युत प्रणाली की उच्च कार्य क्षमता, विश्वसनीयता और स्थिरता का प्रतीक है।

बिजली की मांग में वृद्धि और निरंतर आपूर्ति

ऊर्जा मंत्री तोमर ने यह जानकारी भी दी कि पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रदेश में कुल 95,137 मिलियन यूनिट ऊर्जा का संचालन किया गया था। इस वर्ष बिजली की निरंतर बढ़ती मांग को सफलतापूर्वक पूरा करते हुए 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह उपलब्धि राज्य में सभी स्तरों पर विद्युत प्रणाली की लगातार उपलब्धता के कारण संभव हो सकी। विगत दो वर्षों से प्रदेश में एनर्जी हैंडलिंग (ऊर्जा संचालन) में निरंतर वृद्धि हो रही है। वर्ष 2022-23 में 88,850 मिलियन यूनिट, वर्ष 2023-24 में 95,137 मिलियन यूनिट, और अब 2024-25 में 1,01,039.88 मिलियन यूनिट ऊर्जा का सफल संचालन हुआ है।

मंत्री टेटवाल ने स्वच्छता के माध्यम से राष्ट्रसेवा का दिया संदेश

विजय मत, भोपाल। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने राजगढ़ जिले की सारंगपुर विधानसभा में प्रातः भ्रमण के दौरान नगर निगम कर्मियों के साथ श्रमदान कर स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। मंत्री टेटवाल ने कहा कि अपने आसपास की स्वच्छता में नागरिकों की सहभागिता देशभक्ति की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति है। मंत्री टेटवाल ने स्वयं झाड़ू थामकर नगर की गलियों में सफाई की और आमजन को प्रेरित करते हुए कहा कि "हमारे सैनिक सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं, तो हम सबका दायित्व है कि हम समाज और वातावरण की रक्षा करें – यही सच्ची देशसेवा है।"

लोक अदालत में बड़ी संख्या में हुआ लोगों की समस्याओं का निराकरण

भोपाल। राजधानी की जिला अदालत में शनिवार को नेशनल लोक अदालत आयोजित की गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्जवलित कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुनीत अग्रवाल ने बताया कि इस बार नेशनल लोक अदालत में 60 खंडपीठ गठित की गई हैं। इसमें 1,63,428 मामले निराकरण के लिए रखे गए हैं। विद्युत से संबंधित प्रकरणों में ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार आंकलित सिविल दायित्व की राशि 10 लाख रुपए तक की छूट है। प्रीलिटिगेशन प्रकरणों पर 30 प्रतिशत एवं लिटिगेशन प्रकरणों पर 20 प्रतिशत छूट है। साथ ही आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 16 प्रतिशत की दर से लगने वाले चक्रवृद्धि ब्याज में 100 प्रतिशत छूट दी गई।

हाथकरघा एवं हस्तशिल्प के क्षेत्र में किये गए हैं उल्लेखनीय कार्यः जायसवाल

भोपाल। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा है कि प्रदेश में हाथकरघा एवं हस्तशिल्प के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भोपाल, शहडोल, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और इन्दौर में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में हाथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास निगम द्वारा सफलतापूर्वक भाग लिया गया। निगम के मृगनयनी एम्पोरियम, मुम्बई व टी.टी. नगर, भोपाल को विश्व स्तर पर आकर्षित करने के लिये आंतरिक साज-सज्जा की गयी।

कलेक्टर ने सोशल मीडिया के संबंध में किया प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

भोपाल। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत सोशल मीडिया पर भ्रामक या अपुष्ट पोस्ट, वीडियो, रील, या फाइल्स साझा करने पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार कोई भी व्यक्ति या संस्था फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, एक्स आदि प्लेटफॉर्म पर अफवाह फैलाने वाली सामग्री पोस्ट या फॉरवर्ड नहीं करेगा। ऐसा करना कानून व्यवस्था और सामाजिक शांति के लिए खतरा माना जाएगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली

सतना में प्रधान आरक्षक प्रिंस गर्ग की हत्या पर बीजेपी सरकार की विफलता उजागरः मुकेश नायक

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश के सतना जिले में जैतवारा थाने के प्रधान आरक्षक प्रिंस गर्ग की निर्मम हत्या ने प्रदेश की कानून व्यवस्था की जर्जर स्थिति को न केवल उजागर किया है, बल्कि बीजेपी सरकार की नाकामी, संवेदनहीनता और प्रशासनिक विफलता को भी जनता के सामने ला दिया है। यह घटना एक बहादुर पुलिस अधिकारी की शहादत से कहीं बढ़कर है–यह मध्य प्रदेश में बढ़ते अपराध, शासन की अक्षमता, पुलिस बल की दयनीय स्थिति और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का जीवंत प्रमाण है।

अपराधियों के बुलंद हौसले जैतवारा थाने में तैनात प्रधान आरक्षक प्रिंस गर्ग,

जो अपनी कर्तव्यनिष्ठा और साहस के लिए जाने जाते थे, को एक अपराधी ने थाने के भीतर ही गोली मार दी। यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मध्य प्रदेश में अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हो चुके हैं। थाना, जो आम नागरिकों और पुलिसकर्मियों के लिए सुरक्षा का प्रतीक होना चाहिए, वहां एक पुलिस अधिकारी की हत्या होना न केवल शर्मनाक है, बल्कि यह दर्शाता है कि प्रदेश में कानून का भय पूरी तरह समाप्त हो चुका है।मध्य प्रदेश में अपराध की दर लगातार बढ़ रही है। हत्या, लूट, बलात्कार और संगठित अपराध के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं। बीजेपी सरकार की निष्क्रियता और अपराधियों के प्रति नरम रवैये ने स्थिति को और बदतर बना दिया है। अपराधी खुले आम कानून को चुनौती दे रहे हैं, और पुलिस बल, जो समाज की रक्षा के लिए तैनात है, स्वयं असुरक्षित हो चुका है। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि मध्य प्रदेश में न तो अपराधियों को कानून का डर है और न ही शासन का कोई नियंत्रण।

खास-खबर शहरी मामलों की विशेषज्ञ प्रो. रस्तोगी की अधिकारियों के साथ बैठक

नगरीय विकास की योजनाओं के बेहतर प्रबंधन के लिये लीन मैनेजमेंट का हो उपयोग

विजय मत, भोपाल

शहरी मामलों के विशेषज्ञ प्रो. सुभाष रस्तोगी ने कहा है कि नगरीय विकास से जुड़ी योजनाओं में बेहतर प्रबंधन के लिये लीन मैनेजमेंट (Lean Management) का उपयोग होना चाहिए। इसके उपयोग से किसी भी कार्य में कीमत को प्रभावित किये बिना टॉस्क को पूरा करने के समय को कम करने साथ ही कर्मचारियों के काम करने की परिस्थितियों में आवश्यक सुधार किया जाता है। प्रो. रस्तोगी नगरीय विकास विभाग के अधिकारियों की भोपाल में हुई बैठक में इस विषय पर चर्चा कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला भी मौजूद थे।

प्रो. रस्तोगी ने कहा कि लीन मैनेजमेंट प्रक्रियाओं को प्रबंधित करने और काम को संगठित करने का एक तरीका है। जिसका उद्देश्य कंपनी की उत्पादकता और दक्षता में वृद्धि करना होता है। उन्होंने कहा कि इस नीति का अर्थ अपने उत्पादों की गुणवत्ता और उनकी लाभप्रदता में वृद्धि करना है। यह उत्पादन और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को अनुकूलित करके हासिल किया जाता है। प्रो. रस्तोगी ने बताया लीन मैनेजमेंट में माल की कीमत को प्रभावित किये बिना किसी टॉस्क को पूरा करने के समय को कम करना, साथ ही जिन स्थितियों में कर्मचारी काम करते हैं, उनमें भी आवश्यक रूप से सुधार किया जाता है।

अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही नगरीय विकास परियोजनाओं में तेजी लाने के उद्देश्य से शहरी मामलों के विशेषज्ञ प्रो. रस्तोगी के साथ चर्चा को महत्वपूर्ण बताया। बैठक में योजनाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के विभिन्न उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने कहा कि नगरीय विकास की जल प्रदाय और सीवरेज जैसी विकास योजनाएँ आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस उद्देश्य से इन योजनाओं का समय-सीमा में पूर्ण किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विभाग को इस दिशा में प्रो. रस्तोगी का तकनीकी अनुभव फायदा मिलेगा। बैठक में विभाग के प्रमुख अधिकारियों के साथ योजनाओं की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त सिबी चक्रवर्ती एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

कूनो से निकले पांच चीते पहुंचे किरौली, पूर्व विधायक के खेत में जमाया डेरा, भेड़ों का किया शिकार

विजय मत, ब्यूरो, शिवपुरी

शिवपुरी जिले से लगे श्योपुर के कूनो अभ्यारण से पांच चीतों का झुंड दो दिन से शिवपुरी जिले के अलग-अलग क्षेत्र में घूम रहा है। इस दौरान शिवपुरी के किरौली गांव में पूर्व विधायक स्व-जगदीश वर्मा के खेत पर इन चीतों का झुंड 24 घंटे से ज्यादा रुका रहा। स्वर्गीय पूर्व विधायक जगदीश वर्मा के बेटे प्रद्युम्न वर्मा उर्फ पप्पन ने बताया कि बीते 24 घंटे तक उनके किरौली स्थित फार्म हाउस पर यह चीतों का झुंड रहा। इस दौरान चीतों ने यहां से गुजर रही तीन भेड़ों को अपना शिकार बनाया। प्रद्युम्न वर्मा ने बताया कि उनके किरौली के खेत के नजदीक ही पानी का तालाब है और यहां पर ही इन चीतों ने पानी पीया।

प्रद्युम्न वर्मा ने बताया कि उनका किरौली गांव में फार्म हाउस है और यहां पर कूनो अभ्यारण से पांच चीतों का झुंड आ गया और 24 घंटे से अधिक समय तक उनके फार्म हाउस के आसपास के इलाके में यह झुंड देखा गया। प्रद्युम्न वर्मा ने बताया

कि कूनो अभ्यारण में तो कई बार ऐसा होता है कि हम भ्रमण के लिए जाते हैं, लेकिन चीतों का झुंड दिख नहीं पता, लेकिन मैंने अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को अपने फार्म हाउस पर ही बुलाकर अपने खेतों में ही इन चीतों के झुंड के दर्शन कर दिए और इन चीतों के फोटो भी खींची। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बीते दो दिन से कूनो अभ्यारण से पांच चीतों का झुंड शिवपुरी के अलग-अलग इलाकों में घूम रहा है।

इस दौरान ग्रामीणों ने इस बात की सूचना पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों को दी। वन विभाग और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और चीतों के झुंड की सुरक्षा और उसकी लोकेशन लेते हुए देखे गए।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बोले-रोहित का फॉर्म गिर रहा था और भारत हार रहा था

रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना हैरानी की बात नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथर्टन ने कहा कि रोहित शर्मा का टेस्ट से संन्यास लेना हैरानी की बात नहीं है, क्योंकि हिटमैन की फॉर्म और कप्तानी अंत में काम नहीं आई। रोहित ने इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया चयन से ठीक पहले इंस्टाग्राम पर टेस्ट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। ऐसी रिपोर्ट्स थीं कि बीसीसीआई रोहित से आगे निकलने की सोच रहा था। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एथर्टन ने कहा कि आखिरकार यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि रोहित का फॉर्म गिर रहा था और उनकी कप्तानी में भारत हार रहा था।

एथर्टन ने कहा कि क्या यह संन्यास पूरी तरह से उनका अपना फैसला था या उन्हें लग रहा था कि उन्हें बाहर किया जा रहा है क्योंकि रोहित की घोषणा से एक दिन पहले एक रिपोर्ट में कहा था कि चयनकर्ताओं ने आगे बढ़ने का फैसला किया है। तो यह अटकलें हैं, हमें नहीं पता, लेकिन अंततः यह फैसला आश्चर्यजनक नहीं था क्योंकि यह किसी भी कप्तान के लिए एक खराब संयोजन है और जैसा कि मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि अगर आप मैच हार रहे हैं, और आपको कोई रन नहीं मिल रहा है, और भारत ने रोहित की कप्तानी में पिछले 6 मैचों में से 5 मैचों में हार का सामना किया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में दो, और उनका फॉर्म वास्तव में खराब रहा था और निश्चित रूप से, यह किसी भी कप्तान के लिए एक खराब संयोजन है। उन्होंने कहा कि वह 38 साल के हैं। वह प्रतिभा की उस गहराई और प्रतिस्पर्धा को देखते हुए, इसका मतलब है कि जब फॉर्म या परिणाम आपके खिलाफ जाते हैं तो आप इतने धैर्यवान नहीं होते और इस लिहाज से मुझे नहीं लगता कि यह बहुत ज्यादा आश्चर्य की बात थी, लेकिन जब टेस्ट करियर खत्म होता है तो हमेशा दुख होता है। वह एक महत्वपूर्ण क्रिकेटर रहे हैं। रिकॉर्ड या आंकड़े टेस्ट क्रिकेट के मामले में शीर्ष रैंक का सुझाव नहीं देते हैं।

अब मुम्बई में ही बना रहना चाहते हैं यशस्वी जायसवाल

मुंबई, एजेंसी

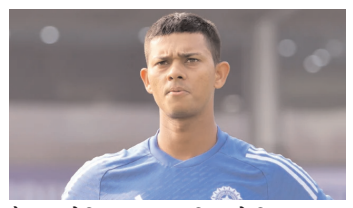

युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अब मुंबई की टीम के साथ ही बने रहना चाहते हैं हाल ही में यशस्वी ने गोवा से खेलने के कारण मुम्बई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा था पर अब उन्होंने अपने प्रस्ताव को वापस ले लिया है। वहीं गत माह अप्रैल में जायसवाल ने गोवा में जाने के लिए एमसीए को पत्र लिखकर सभी को हैरान कर दिया था। तब एमसीए ने भी यशस्वी के अनुरोध को स्वीकार कर लिया था। वहीं अब यशस्वी ने एमसीए को लिख है कि कि वह अगले घरेलू सत्र में मुंबई की ओर से खेलने के लिए तैयार हैं। जायसवाल ने लिखा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि मुझे दिए गए एनओसी को वापस लेने के मेरे अनुरोध पर विचार करें क्योंकि गोवा में जाने की मेरी कुछ पारिवारिक योजनाएं थीं पर मैंने अभी उन्हें स्थगित कर दिया है। उन्होंने कहा, इसलिए मैं एमसीए से अनुरोध करता हूं कि मुझे इस सत्र में मुंबई के लिए खेलने की अनुमति दी जाए। मैंने अभी तक बीसीसीआई या गोवा क्रिकेट एसोसिएशन को एनओसी नहीं सौंपी है।

बीसीसीआई 2027 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी के लिए तैयार

- इंग्लैंड के एकाधिकार को चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 2027 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की मेजबानी के अधिकार हासिल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को औपचारिक प्रस्ताव देने की तैयारी कर रहा है। अगर बीसीसीआई को यह मेजबानी मिलती है, तो भारत इंग्लैंड के बाहर यह प्रतिष्ठित टेस्ट इवेंट आयोजित करने वाला पहला देश बन जाएगा। 'एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई को उम्मीद है कि उसे इस मार्की टेस्ट टूर्नामेंट के चौथे संस्करण की मेजबानी मिल सकती है। गौरतलब है कि इससे पहले डब्ल्यूटीसी के पहले दो फाइनल साउथेम्प्टन और ओवल में हुए थे, जिनमें भारत को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। तीसरा फाइनल इस साल जून में लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने इस साल की शुरुआत में जिम्बाब्वे में हुई आईसीसी की मुख्य कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान 2027 फाइनल की मेजबानी को लेकर अपनी गंभीर इच्छा व्यक्त कर दी थी। इस संबंध में औपचारिक बोली प्रक्रिया इसी गर्मी में शुरू होने की संभावना है।

हालांकि इंग्लैंड अब तक इस इवेंट के लिए प्राथमिक मेजबान रहा है और इसके पीछे कई व्यावहारिक कारण रहे हैं, जिनमें तटस्थ टीमों के मैचों के दौरान भी बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर के साथ बेहतर तालमेल शामिल हैं। इसके उलट भारत के सामने एक बड़ी चुनौती यह हो सकती है कि यदि टीम इंडिया 2027 के फाइनल में नहीं पहुंचती है, तो तटस्थ मुकाबले के लिए घरेलू दर्शकों की दिलचस्पी कम हो सकती है, जिससे टिकट बिक्री प्रभावित हो सकती है।

कुंबले बोले-इंग्लैंड दौरे के लिए बुमराह को बनाओ कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

रोहित शर्मा के अचानक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगला टेस्ट कप्तान कौन होगा। इस वक्त टीम में कई दावेदार मौजूद हैं, जिनमें शुभमन गिल, ऋषभ पंत, केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह के नाम प्रमुख हैं। चयनकर्ता इस मसले पर गंभीर मंथन कर रहे हैं, क्योंकि नए कप्तान का फैसला टीम इंडिया के भविष्य को प्रभावित करेगा। भारत को अगले महीने इंग्लैंड दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है, और उससे पहले नए कप्तान की घोषणा की जानी है। अब देखना है कि बोर्ड सिर्फ इंग्लैंड दौरे के हिसाब से कप्तान बनाता है टीम के भविष्य को देखते हुए कप्तान का चयन करता हैं।

इस बीच भारतीय टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने बुमराह को कप्तानी सौंपने की सलाह दी है। कुंबले का मानना है कि अगर सिर्फ इंग्लैंड दौरे के लिए भी उन्हें यह जिम्मेदारी दी जाए, तो यह एक प्रयोग के तौर पर उपयोगी साबित हो सकता है। कुंबले ने कहा कि तेज गेंदबाज होना आसान नहीं है और बुमराह के करियर में चोटों की चुनौती भी रही है, लेकिन इसके बावजूद वह उन्हें इस जिम्मेदारी के काबिल मानते हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह हाल ही में आईपीएल में लौटे हैं और ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद काफी समय क्रिकेट से दूर रहे थे। फिर भी, वह उनमें लीडरशिप की क्षमता देखते हैं।

हालांकि, कुंबले ने यह भी माना कि इंग्लैंड जैसी लंबी और चुनौतीपूर्ण सीरीज में सभी पांच टेस्ट मैचों में बुमराह का खेल पाना मुश्किल हो सकता है, इसलिए उनके कार्यभार का विशेष ध्यान रखना होगा। बुमराह की कप्तानी में भारत ने सीमित ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया है, और उनका शांत स्वभाव तथा रणनीतिक सोच उन्हें टेस्ट टीम की अगुवाई के लिए उपयुक्त बना सकती है। बीसीसीआई जल्द ही इंग्लैंड दौरे के लिए टीम की घोषणा करने वाली है और नए कप्तान का नाम भी तय किया जाएगा। 20 जून से शुरू होने जा रही इस सीरीज से पहले टीम मैनेजमेंट के सामने यह एक अहम निर्णय होगा, जो न सिर्फ इस दौरे बल्कि भविष्य की टेस्ट रणनीति को भी आकार देगा।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच आईपीएल को स्थगित करना सही कदम: गांगुली

- पाक को टेकने होंगे घुटने यह युद्ध ज्यादा दिन नहीं चलेगा, जल्द शुरू होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बीसीसीआई ने आईपीएल-2025 को फिलहाल स्थगित कर दिया है। पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस मामले में कहा है कि भारत के सामने पाकिस्तान को घुटने टेकने होंगे। जहां तक आईपीएल का सवाल है तो यह फैसला सही है लेकिन हम जल्द ही इसे दोबारा से होता देखेंगे। बता दें ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के कारण टूर्नामेंट को बीच में ही रोक दिया गया है।

गुरुवार को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच सुरक्षा कारणों से बीच में ही रोक दिया गया था। अगले दिन इस आयोजन को सात दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। गांगुली ने बीसीसीआई पर विश्वास जताया और कहा कि बोर्ड टूर्नामेंट को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि अभी युद्ध जैसे हालात हैं तो इस स्थिति में यही करना सही था। इस टूर्नामेंट में कितने सारे खिलाड़ी खेलते हैं, इतने सारे विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं तो बीसीसीआई को यही फैसला लेना था। हम आशा करेंगे कि आईपीएल फिर शुरू हो जाए। बीसीसीआई आईपीएल को जरूर पूरा करेगी।

गांगुली ने कहा कि मैं समझता हूं कि ये जो हालात हैं ज्यादा देर नहीं रहने वाले। भारत का दवाब पाकिस्तान में ज्यादा देर तक झेलने की हिम्मत नहीं है। बीसीसीआई को ये करना जरूरी था लेकिन समय के साथ ठीक हो जाएगा।

बिजनेस

वित्त मंत्री ने बैठक में बैंकिंग क्षेत्र की ऑपरेशनल और साइबर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की

बैंकिंग सेवाओं में कोई रुकावट नहीं होनी चाहिए: वित्त मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

सीमा क्षेत्रों में उभरती सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों तथा बीमा कंपनियों के प्रबंध निदेशकों और सीईओ के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक में बैंकिंग क्षेत्र की ऑपरेशनल और साइबर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की, जिसमें इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई जैसे डिजिटल माध्यमों की स्थिति पर भी चर्चा हुई। बैठक में वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण, सर्ट-इन और राष्ट्रीय भुगतान निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में वित्त मंत्री ने निर्देश दिए कि बैंकों को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क और तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि देशभर में, खासकर सीमा क्षेत्रों में, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बैंकों को निर्देश दिए कि बैंक कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए, विशेषकर उन शाखाओं में जो सीमावर्ती इलाकों में स्थित हैं। इसके लिए सुरक्षा एजेंसियों से समन्वय बनाए रखने को कहा गया है। बैठक में बैंक अधिकारियों ने बताया कि पूरे बैंकिंग नेटवर्क में साइबर सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ किया गया है। कई बैंकों ने एंटी-डीडीओएस प्रणाली लागू की है ताकि बड़े साइबर हमलों से निपटा जा सके। इसके अलावा मॉक ड्रिल, डिजास्टर रिकवरी अभ्यास, और फिशिंग प्रयासों की निगरानी जैसे उपाय भी किए जा रहे हैं।

त्योहारी सीजन से पहले व्यापारियों और ग्राहकों की चिंता बढ़ी

भारत-पाक तनाव: ड्राईफ्रूट और बादाम की आपूर्ति में कमी से उछले दाम

प्रयागराज, एजेंसी

भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनाव का सीधा असर अब ड्राईफ्रूट बाजार पर भी पड़ रहा है। मामरा बादाम और गुरबंदी बादाम के दाम में तेजी आ गई है। थोक व्यापारियों के मुताबिक 2400 रुपए प्रतिकिलो बिकने वाले मामरा बादाम के दाम में 500 रुपए का उछाल आया। अब यह 2900 रुपए प्रतिकिलो बिक रहा है। जबकि गुरबंदी बादाम में शुक्रवार को 50 रुपए प्रति किलो की तेजी आई। एक थोक व्यापारी ने बताया कि प्रयागराज में ड्राईफ्रूट की आपूर्ति मुख्य रूप से दिल्ली और मुंबई के रास्ते होती है।

वहीं, मामरा और गुरबंदी बादाम जैसे ड्राईफ्रूट अफगानिस्तान से पाकिस्तान के रास्ते भारत आते हैं। वर्तमान में यह रास्ता बंद है, जिससे इनकी आपूर्ति में बाधा आ रही है। थोक व्यापारी के मुताबिक मामरा बादाम की कमी अभी से बाजार में नजर आने लगी है। यदि दिल्ली और मुंबई के रास्ते माल की आपूर्ति अगले सप्ताह तक नहीं हुई तो काजू, अंजीर, मुनक्का, सेंधा नमक सहित कई वस्तुएं और महंगी हो जाएंगी। व्यापारियों का कहना है कि यदि जल्द हालात नहीं सुधरे तो अगले हफ्ते तक दामों में भारी उछाल आ सकता है।

ड्राईफ्रूट के दाम में बढ़ोतरी ने त्योहारी सीजन से पहले ही व्यापारियों और ग्राहकों दोनों की चिंता बढ़ा दी है। व्यापारी इस बात से चिंतित हैं कि माल महंगा मिलेगा और ग्राहक कम खरीदेंगे, जिससे बाजार की रफ्तार धीमी हो सकती है। व्यापारियों ने यह भी कहा कि सेंधा नमक पर भी सीधा असर पड़ेगा, क्योंकि इसकी सप्लाई पाकिस्तान से होती थी। यही हाल रहा तो विकल्प तलाशना होगा, नहीं तो सामानों की किल्लत बढ़ेगी और इसका सीधा असर लोगों पर पड़ेगा।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी गिरावट रही

- सेंसेक्स 880.34 अंक गिरकर 79,454.47 पर बंद
- निफ्टी 265.80 अंक गिरकर 24,008 अंक पर बंद

मुंबई, एजेंसी

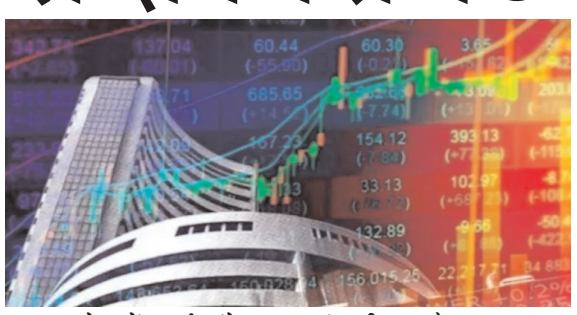

भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति के बीच बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में मिलाजुला कारोबार देखने को मिला। हालांकि सप्ताह के आखिरी दिन घरेलू शेयर बाजार ने बीच में निचले स्तरों से रिकवरी भी दिखाने की कोशिश की फिर भी बाजार में लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार को मजबूती के साथ खुले। बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 300 से ज्यादा अंक चढ़कर खुला और 294.85 रुपये की तेजी के साथ 80,796.84 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 मजबूत शुरुआत के साथ 24,400 के पार खुला और 114.45 अंक की उछाल के साथ 24,461.15 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को सपाट स्तर पर खुला। सेंसेक्स 13 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,783 पर खुला और 156 अंक गिरकर 80,641 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 3 अंक की बढ़त के साथ 24,467 पर खुला और 82 अंक की गिरावट रही, ये 24,380 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 110.40 अंक की बढ़त के साथ 80,907.24 पर खुला और 155.77 अंक की गिरावट लेकर 80,641.07 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 इंडेक्स 39.60 अंक ऊपर 24,500.75 पर खुला और 81.55 अंक गिरकर 24,379.60 पर बंद हुआ। गुरुवार को ग्लोबल मार्केट से मिले मिले-जुले संकेतों और भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद शेयर बाजार ग्रीन जोन में खुला। बीएसई सेंसेक्स 165.56 अंकों की बढ़त के साथ 80,912.34 पर खुला और 411.97 अंक की गिरावट लेकर 80,334.81 पर बंद हुआ। निफ्टी 24,431.50 के स्तर पर खुला और 140.60 अंक गिरकर 24,273.80 पर बंद हुआ। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संकट बढ़ने की वजह से भारतीय शेयर बाजार हफ्ते में आखिरी ट्रेडिंग सेशन शुक्रवार को बड़ी गिरावट में खुले। सेंसेक्स शुक्रवार को बड़ी 1300 अंक से अधिक की गिरावट लेकर 78,968.34 पर खुला और 880.34 अंक (1.10 फीसदी) गिरकर 79,454.47 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 भी बड़ी गिरावट के साथ 23,935.75 अंक पर खुला और 265.80 अंक (1.10 फीसदी) गिरकर 24,008 अंक पर बंद हुआ।

वित्त वर्ष 2024-25 में सरकारी बैंकों का रिकॉर्ड मुनाफा

नई दिल्ली। सभी 12 सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2024-25 में एक नया इतिहास रचा है, जहां उन्होंने गणन रिकॉर्ड 1.79 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 27 फीसदी अधिक है। इस उच्च लाभ कारण से बैंकों का शुद्ध मुनाफा बढ़ता जा रहा है, जिससे कारोबार में वृद्धि और बेहतर मार्जिन दर्शनीय है। यह मुद्दा मुख्य रूप से सरकारी बैंकों के एनपीए (अति कर्ज) को कम करने में मदद कर रहा है। सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाली बैंक में से एक एसबीआई है, जिन्होंने अकेले 70,901 करोड़ रुपये का हिस्सेदारी लिया है। बैंक ऑफ बड़ौदा 19,581 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर रहा। सरकार ने बैंकों को उबारने के लिए चार आर की रणनीति शुरू की है, जिसमें फिर से पूंजी डालने, पहचान करने, रिजॉल्यूशन और सुधार शामिल है। यह नई पहल सार्वजनिक बैंकों के लाभ में है और इससे एनपीए कम होने में मदद मिलेगी।

एसबीआई बेचेगा यस बैंक में अपना 13 फीसदी से ज्यादा हिस्सा

एसबीआई को 8889 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकारी बैंक एसबीआई ने यस बैंक में अपनी हिस्सेदारी में 13.19 प्रतिशत का हिस्सा बेचने का निर्णय लिया है। एसबीआई की टॉप कमेटी ने इस मामले में 413 करोड़ से अधिक इक्विटी शेयरों की बेचने की मंजूरी दी है, जिससे एसबीआई को 8889 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे। इस ट्रांजैक्शन के तहत सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन ने यस बैंक के साथ काम करने का निशाना साधा है और अन्य बैंकों की हिस्सेदारी में से 6.81 प्रतिशत का हिस्सा खरीदा है। इस निर्णय के पीछे सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन का यस बैंक में तकनीकी उन्नति और संचालन में योगदान करने का इरादा है। यह भारतीय बैंक क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है जो बाजार में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। एसबीआई की हिस्सेदारी यस बैंक में स्थिरता और विश्वसनीयता को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है, जिससे बाजार में भरोसा और स्थिरता बने रह सकती है। बाजार में इस नए स्थिति को देखकर यस बैंक के शेयरों की मांग में तेजी देखने को मिली है। यस बैंक के हिस्सा बीएसई में 17.76 रुपये के लेवल से खुले हुए थे, जिसके बाद उन्होंने 11.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 20.36 रुपये के लेवल पर पहुंच गए। और बंद होने के समय पर उनके हिस्से 9.77 प्रतिशत की तेजी के बाद 20 रुपये के लेवल पर रहे। यह निर्णय यस बैंक के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बन सकता है और उसे बाजार में एक मजबूत स्थिति में ले जा सकता है।

स्विगी ने जारी किए नए आर्थिक नतीजे, 1081 करोड़ का घाटा हुआ

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी केंद्रित कंपनी स्विगी ने हाल ही में नए आर्थिक नतीजे जारी किए हैं जिसमें 1081 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया गया है। यह घाटा पिछले वर्ष के समय सीमा के मुकाबले लगभग दोगुना है। हालांकि, कंपनी का राजस्व और एबिटा में वृद्धि दर्ज की गई है जिससे बाजार में यहाँ तक कही जा रहा है कि कंपनी की प्रगति की संकेत मिल रहे हैं। स्विगी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने क्विक-कॉमर्स के तेजी से विस्तार और प्रतिस्पर्धा में उन्नति के संकेत दिए हैं। वे ने इलेक्ट्रॉनिक विपणन में निवेश बढ़ाने की चर्चा की है और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की प्रतिज्ञा की है। इन आर्थिक परिणामों के संदर्भ में ब्रोकरेज कंपनियों ने स्विगी के शेयर के पूंजी वृद्धि के संभावनाओं के बारे में चर्चा की है। कुछ ब्रोकरज के अनुसार, शेयर की मूल्य 400 रुपये तक पहुंच सकती है जबकि अन्य ने इसे 500 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदें रेटिंग दी है।

यूज़ इन शॉर्ट

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत की गई निःशुल्क पेयजल व्यवस्था

शहडोल। जल ही जीवन है कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में शहडोल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रगति पर है। जल गंगा संवर्धन अभियान अब जन अभियान बनता जा रहा है । जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनप्रतिनिधि,व्यापारी, गणमान्य नागरिक, जन अभियान परिषद, स्वयं सेवी , समाजसेवी जल का संरक्षण करने का संदेश दे रहे है । जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नगर पालिका शहडोल द्वारा लोगों के लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निःशुल्क पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन जनपद मुख्यालयों में भी किया जाएगा

शहडोल। खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा शिक्षा एवं जनजातीय विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 30 दिवसीय खेल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन जनपद मुख्यालयों में भी किया जाएगा। जनपद मुख्यालय बुएर में खो-खो एवं फुटवाल बा प्रशिक्षण कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में प्रशिक्षक मो इमरान खान द्वारा, बाली बाल तथा फुटबाल का प्रशिक्षण एमजी ग्राउन्ड साबो में प्रशिक्षक संदीप कुमार मिश्रा द्वारा, गोहपारू जनपद पंचायत में बालीबाल एवं फुटबाल का प्रशिक्षण शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल खन्नौदी में प्रशिक्षक गणेश सिंह द्वारा तथा फुटबाल का प्रशिक्षण शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल धनगवां खेल मैदान में राजू बैगा द्वारा, जयसिंहनगर जनपद पंचायत में बालीबाल एंव फुटबाल का प्रशिक्षण शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल जयसिंहनगर में प्रशिक्षक दुर्गा जायसवाल द्वारा, कराटे तथा एथलेटिक्स का प्रशिक्षण शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल मसीरा खेल मैदान में प्रशिक्षक विष्णुप्रसाद सिंह द्वारा तथा ब्यौहारी जनपद मुख्यालय में खो-खो का प्रशिक्षण ब्यौहारी स्टेडियम में श्रशांत माली द्वारा तथा कबडडी का प्रशिक्षण बैदरा में प्रशिक्षक आयुष सिंह द्वारा दिया जाएगा।

रक्तदान जागरुकता रैली का आयोजन किया गया

शहडोल। विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर रक्तदान जागरुकता रैली का आयोजन किया गया जिसमें इनरव्हील विराट क्लब शहडोल ने भी भाग लिया । इस रैली में सम्मानित डॉक्टर्स , नर्सेज , दिशा वेलफेयर सोसाइटी एवं रोटरी विराट क्लब आदि समाज की कई संस्थाओं ने भाग लिया । जयस्तंभ से शुरू होकर रैली गांधी चौक पर समाप्त हुई रैली के समापन पर डॉक्टर्स ने थैलेसीमिया रोग के बारे में सभी को जागरूक किया और इससे बचने के उपाय और जांच करवाने की आवश्यकता के बारे में बताया । साथ ही इसके इलाज के लिए रक्तदान करना कितना जरूरी है यह भी समझाया । इस रैली में डॉ सुधा नामदेव , डॉ रूपाली सिंघई एवं इनरव्हील की अध्यक्ष श्रीमती रश्मि जसवानी, रीनू कटारे , मोनिका दुबे , गीतिका खोडियार , नीतू मौर्य एवं वसुधा मिश्रा ने भाग लिया ।

सीधी पुलिस द्वारा नाबालिक बालिका को दस्तयाब कर परिजनों को किया सुपुर्द

शहडोल। थाना सीधी में परियादी द्वारा रिपोर्ट दर्ज किया था किए उसकी 17 वर्षीय नाबालिक बालिका को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर भगा ले गया है। परियादी की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले में उक्त नाबालिक बालिका की पता तलाश घटना दिनांक से लगातार की गई जो 9 मई को उक्त बालिका को स्थानीय ग्राम कौआसरई थाना जयसिंहनगरए शहडोल से सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया गया।उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सीधी के नेतृत्व में सउनिए सीएपीएकोलए प्र.आर.सुभाष महोबिया, आर.विजय कुमार महरा एवं आर. जयेन्द्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

आपदा प्रबंधन के दृष्टिगत आपात चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध रखने के निर्देश जारी

शहडोल । कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने वर्तमान की अप्रत्याशित परिस्थितियों के परिपेक्ष्य में आपदा प्रबंधन के दृष्टिगत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन को पत्र जारी कर निर्देशित किया है कि समस्त अस्पतालों में पर्याप्त मात्र में सभी प्रकार की आवश्यक जीवन रक्षक दवाइयां व उपकरण उपलब्ध रखे जायें। डॉक्टर मय स्टाफ उपस्थित रहें तथा ब्लड बैंक में सभी ग्रुपों के रक्त की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध रखी जाये। इसके साथ-साथ शहडोल जिले के बुढ़ार एवं ब्यौहारी मुख्यालय स्तर पर आपात चिकित्सा केन्द्र की स्थापना कर समस्त आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध रखी जाये। जिले में उपलब्ध एम्बुलेंस के अतिरिक्त प्रायवेट चिकित्सालयों में संलग्न एम्बुलेंस की सूची तैयार रखें एवं आवश्यकता पड़ने पर सेवाएं ली जाये।

एमएलबी स्कूल से स्टेशन की ओर जाने वाले प्रमुख मार्ग पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे

स्टेशन रोड पर गड्ढों का संकट: सीवर लाइन अधूरी, डामरीकरण अधर में लटका

विजय मत, शहडोल

नगर के स्टेशन पहुंच मार्ग पर गड्ढों की भरमार से आवागमन मुश्किल होता जा रहा है। एमएलबी स्कूल से स्टेशन की ओर जाने वाले इस प्रमुख मार्ग पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिनमें आए दिन वाहन चालक फंसकर चोटिल हो रहे हैं। विशेषकर दोपहिया वाहन चालक अक्सर हादसे का शिकार हो रहे हैं। बावजूद इसके नगर पालिका की उदासीनता खत्म नहीं हो रही। नागरिकों की लगातार शिकायतों और मांगों के बावजूद सड़क की मरम्मत नहीं हो पा रही है। नगर पालिका का तर्क है कि जब तक सीवर लाइन का काम पूरा नहीं होता, तब तक डामरीकरण संभव नहीं। यह बात अब संदेहास्पद हो चली है क्योंकि ठेकेदार कभी ओपन खुदाई, तो कभी अंडरग्राउंड पाइप बिछाने की बात कर काम टाल रहा है।

बदली रणनीति, फिर भी नहीं दिखा परिणाम

पहले ठेकेदार द्वारा सड़क की खुदाई कर पाइप लाइन डालने की योजना थी, अब भूमिगत खुदाई का बहाना बनाया जा रहा है। इन सबके बीच नगर पालिका ने एमएलबी स्कूल से शिवम होटल तक 26 लाख रुपए की लागत से डामरीकरण की तैयारी शुरू कर दी है, परंतु ज़मीनी स्तर पर कार्य शून्य है।

बारिश बन सकती है अगली बाधा, गुणवत्ता पर उठेंगे सवाल

नागरिकों को चिंता है कि यदि काम में और देरी हुई तो बरसात के चलते यह परियोजना और टल सकती है। अगर बारिश में डामरीकरण किया गया तो उसकी गुणवत्ता संदेह के घेरे में आ जाएगी। गीली मिट्टी पर किया गया कार्य अधिक दिन नहीं टिकता और सड़क जल्दी खराब हो जाती है।

सात माह पुराना पत्र, फिर भी नहीं हुई कार्रवाई

नगर पालिका ने 26 सितंबर 2024 को सीवर लाइन ठेकेदार को पत्र लिखकर काम शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया था, लेकिन 7 माह बाद भी कोई प्रगति नहीं हुई। इस बीच नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। जगह-जगह खुदाई अधूरी छोड़ दी गई है।

आईजी बंगला मार्ग पर भी वही स्थिति

इसी तरह बाणगंगा से आईजी बंगला तक भी काम अधूरा पड़ा है। नगर पालिका ने 29 अक्टूबर 2024 को भी पत्र जारी किया था, लेकिन कार्य में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी। ठेकेदार की मनमानी, निगरानी तंत्र की कमजोरी और प्रशासनिक अनदेखी ने शहरवासियों को नारकीय स्थिति में डाल दिया है।

निगरानी और जवाबदेही ज़रूरी

जनता की मांग है कि नगर पालिका ठेकेदारों पर सख्ती बरते और कार्य में तेजी लाए। बार-बार पत्र लिखने से बेहतर होगा कि समय-सीमा तय कर सीवर लाइन और डामरीकरण का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। अन्यथा आने वाले दिनों में यह मुद्दा जन आंदोलन का रूप ले सकता है।

पत्नी की हत्या का आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

चरित्र पर शक होने के कारण पति ने की थी पीट पीट कर हत्या

विजय मत, ब्यौहारी

09 मई को फरियादी रामप्रकाश कोल पिता बाल्मीक कोल उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम खड्डा द्वारा ब्यौहारी थाना में उपस्थित रिपोर्ट दर्ज कराई कि 08 मई को उसके रिस्ते की भांजी सुधा कोल को उसका पति छोटेलाल कोल, भल्लू उर्फ अमृतलाल कोल के साथ कमरे मे पकड लिया था, इसी बात को लेकर राड एवं डंडा से मारपीट किया था, जिससे उसकी भांजी सुधा कोल की मृत्यु हो गई है, फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 103(1) बी.एन.एस. पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया ।

प्रकरण की विवेचना के दौरान पुलिस टीम एवं फारेंसिक टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया तथा मृतिका के शव का पंचनामा कर पी.एम. कराया गया, जिसमे मृतिका की हत्या किये जाने की पुष्टि हुई है। विवेचना के आधार पर आरोपी छोटेलाल कोल पिता सूरज कोल निवासी वार्ड क्रमांक 11 जुनिया मोहल्ला ब्यौहारी के विरूद्ध अपराध प्रमाणित पाये जाने पर 02 टीमे गठित कर आरोपी छोटेलाल की तलाश की गई

तथा आरोपी को पुलिस अभिरक्षा मे लेकर पूछताछ की गई । जिसमे आरोपी छोटेलाल कोल द्वारा लोहे की राड एवं डंडे से पत्नी सुधा कोल एवं भल्लू उर्फ अमृत लाल कोल के साथ मारपीट करना तथा सुधा कोल की मारपीट कर हत्या कर देना बताया । आरोपी छोटेलाल कोल के मेमोरेण्डम के आधार पर घटना मे प्रयुक्त लोहे की राड एवं लकडी का डंडा जप्त किया गया है तथा आरोपी छोटेलाल कोल पिता सूरज कोल उम्र 30 वर्ष निवासी जुनिया टोला ब्यौहारी को गिरफ्तार किया गया है। जिसे न्यायालय में पेश किया गया।

उक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन तथा एस.डी.ओ.पी. ब्यौहारी के दिशा निर्देशन मे ब्यौहारी पुलिस द्वारा की गई है । कार्यवाही मे थाना प्रभारी अरूण कुमार पाण्डेय एवं अधिनस्थ स्टाफ उपनिरीक्षक वीरेन्द्र तिवारी, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र उपाध्याय, आरक्षक अजीत यादव, संजय द्विवेदी, अमृत यादव, पुष्पेन्द्र सिंह की भूमिका रही है ।

गोहपारू पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही

शहडोल। थाना गोहपारु क्षेत्रांतर्गत कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर सूचना मिली कि ग्राम मोहतरा में एक व्यक्ति अपनी पत्नी को मारने की मंशा से भाला लेकर घूम रहा है, कोई अप्रिय गंभीर अपराध घटित करने की फिराक में है। सूचना पर गोहपारु पुलिस द्वारा बताए हुए स्थान में तत्काल दबिश देकर आरोपी चन्द्रपाल सिंह उइके पिता रंगदेव सिंहए उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम मढ़ी, थाना बिरसिंहपुर पाली, जिला उमरिया को घेर कर के आरोपी के कब्जे लोहे का धारदार तीरनुमा भाला पुलिस द्वारा अपने कब्जे में लिया गया। आरोपी के विरूद्ध आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी गोहपारु के नेतृत्व में विद्यासागर. प्र.आर.दशरथ सिंह एवं आर. सतीश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संभागीय मुख्यालय में 15 स्थानों पर 15 खेल विधाओं का दिया जाएगा प्रशिक्षण

प्रशिक्षण हेतु खेल मैदान एवं प्रशिक्षक चयनित

विजय मत, शहडोल

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संभागीय मुख्यालय शहडोल में आगामी 12 मई से 15 खेल विधाओं का प्रशिक्षण 15 खेल मैदानों में दिया जाएगा। जिसके लिए खेल मैदानों एवं खेल प्रशिक्षकों का चयन कर लिया गया है। महात्मा गांधी स्टेडियम शहडोल में एथलेटिक्स का प्रशिक्षण प्रशिक्षक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, हैंडवाल का प्रशिक्षण सुश्री श्रीदेवी सोनी, वालीवाल का प्रशिक्षण रतन सिंह ठाकुर, बास्केट बाल का प्रशिक्षण केके श्रीवास्तव, कबडडी का प्रशिक्षण श्रीमती कल्पना अहिरवार, बैडमिन्टन का प्रशिक्षण प्रशिक्षक सतेन्द्र सोनी द्वारा, टेबिल टेनिस का प्रशिक्षण प्रशिक्षक पीपी सिंह द्वारा दिया जाएगा। सेपकटेकरा का प्रशिक्षण शान्ति मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल शहडोल में प्रशिक्षक रामकिशोर चौरसिया द्वारा, खो-खो का प्रशिक्षण रेलवे स्कूल खेल मैदान में प्रशिक्षक रहीम खान, कराटे का प्रशिक्षण रघुराज स्कूल क्रमांक 01 में प्रशिक्षक अजय चौधरी, विराट मार्सल आर्ट एकेडमी में जूडो का प्रशिक्षण विराट मार्सल आर्ट एकेडमी में शिवानी नामदेव तथा लाठी का प्रशिक्षण प्रशिक्षक प्रमोद विश्वकर्मा फुटबाल का प्रशिक्षण विचारपुर फुटबाल खेल मैदान में प्रशिक्षक नरेश कुण्डे द्वारा दिया जाएगा। ज्ञानोदय अशासकीय स्कूल मैदान में बाक्सिंग का प्रशिक्षण प्रशिक्षक अंसुमन सिंह तथा ताईक्वाडो का प्रशिक्षण आकाश पुरी गोस्वामी द्वारा दिया जाएगा।

तालाब में डूबने से चार साल के बच्चे की मौत

विजयमत,शहडोल

शहडोल जिले के केशवाही चौकी क्षेत्र में एक 4 वर्षीय बालक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। बालक निखिल सिंह कोतमा जमुनिया का रहने वाला था। वह अपनी नानी के घर केशवाही के कोटा टोला पिपरिया गांव में घूमने आया था। बच्चा नानी के साथ पिपरिया तालाब में नहा रहा था, इस दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया, जिससे डूबने से उसकी मौत हो गई।पुलिस ने बताया कि बालक निखिल अपनी नानी के साथ तालाब में नहाने गया था। नानी के नहाते समय निखिल खेल रहा था। अचानक नानी ने देखा कि वह पानी में डूब गया है। नानी ने आस-पास नहा रहे लोगों को आवाज दी, सभी ने मिलकर निखिल को पानी से निकालने का प्रयास किया। उसे तालाब से बाहर निकाला गया, तब उसकी सांसें चल रही थीं, लेकिन अस्पताल ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। निखिल के परिवार ने बताया कि वह खुशमिजाज और चंचल था। हम जिसे हमेशा खेलते और हंसते-खिलखिलाते देखते थे, अब वह हमारे बीच नहीं रहा।

चौकी प्रभारी आशीष झारिया ने बताया कि पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अवैध शराब जप्त

शहडोल। जिले में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने.अपने क्षेत्रों में अवैध शराब के विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। अभियान के अंतर्गत 9 मई को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी की गई, जिसमें कुल 10 स्थानों पर दबिश दी गई। इस कार्रवाई में 57 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब एवं 15 पाव देशी मदिरा प्लेन शराब जप्त की गई, जिसकी कुल कीमत 7,850 रु. है। सभी आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई।

सुरक्षा सख्त, जिला प्रशासन ने पूरी की तैयारी

विजयमत,शहडोल

भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव बीच शहडोल प्रशासन अलर्ट मोड में है। पुलिस, रेलवे, स्वास्थ्य, विद्युत सहित अन्य विभागों ने मिलकर आवश्यक सावधानियों को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। समाज में तनाव उत्पन्न करने वाली गतिविधियों के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ ही अपुष्ट और भ्रामक सूचनाओं के प्रचार-प्रसार पर रोक लगाने की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं। जिला कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने बताया, हम सभी संस्थाओं और जिले की सुरक्षा को लेकर सतर्क हैं। एनडीआरएफ के सहयोग से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। हमें किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी करनी

है। उन्होंने कहा कि शनिवार को बुढार और जिला मुख्यालय में सभी अधिकारियों की बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे।

संयुक्त चेकिंग अभियान से बढ़ी सुरक्षा

रेलवे स्टेशनों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूती देने के लिए आरपीएफ, जीआरपी और कमर्शियल स्टाफ ने संयुक्त चेकिंग अभियान शुरू किया है। प्लेटफॉर्म और ट्रेनों की लगातार सर्चिंग की जा रही है, जिसमें डॉग एस्कॉर्ट का भी सहयोग लिया जा रहा है। बिजली विभाग के कार्यपालन अभियंता दिनेश कुमार तिवारी ने कहा, हमने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। अगर जरूरत पड़ी तो प्रशासन के निर्देशों पर हम बिना समय गंवाए कार्य करेंगे और 5 मिनट के अंदर ही ब्लैकआउट कर देंगे।

पुलिस विभाग की रणनीति

पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव ने कहा, हमने अतिरिक्त सुरक्षा के लिए कार्य योजना बना ली है। सभी पुलिस जवानों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं और अति आवश्यक कार्य होने पर ही उन्हें अवकाश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी थाना क्षेत्रों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं ताकि कोई भी अप्रिय घटना न होने पाए।

समस्या

चार साल बीतने के बाद भी सीएम राइज विद्यालयों को नहीं मिली बुनियादी सुविधाएं

एक्सटेंशन के बाद भी अधूरे स्कूल भवन:छात्रों को भारी परेशानी

विजयमत,शहडोल

शासकीय स्कूलों को निजी स्कूलों की तर्ज पर विकसित करने के उद्देश्य से प्रारंभ किए गए सीएम राइज विद्यालयों की स्थिति आज भी दयनीय बनी हुई है। जिले के पांचों ब्लॉकों में चौथे सत्र की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन अब तक इन विद्यालयों के नए भवन तैयार नहीं हो पाए हैं। यह हाल तब है जब निर्माण कार्य की निर्धारित समय सीमा समाप्त हो चुकी है और एक्सटेंशन की समय-सीमा भी खत्म होने को है।

पुराने भवनों में संचालित हो रही पढ़ाई

नए भवन न बनने की वजह से इन विद्यालयों का संचालन आज भी पुराने एक्सीलेंस स्कूलों के जर्जर भवनों में किया जा रहा है। ऐसे भवनों की स्थिति इतनी खराब है कि बरसात के दौरान छत से पानी टपकता है, जिससे कक्षाएं प्रभावित होती हैं। कुछ

विद्यालयों में तो बारिश के कारण स्कूल परिसर में पानी भर जाता है, जिससे बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

छात्र संख्या अधिक, जगह कम

सीएम राइज स्कूलों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन भवन की कमी के कारण उन्हें समुचित स्थान नहीं मिल पा रहा है। जयसिंहनगर के विद्यालय में जहां एक कमरे में 30 बच्चों की जगह है, वहां 50 से अधिक बच्चे बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं। ब्योहारी के मऊ विद्यालय में स्थान की कमी के चलते दो शिफ्ट में स्कूल चलाना पड़ रहा है।

नहीं मिली बस सुविधा, बच्चे हो रहे हैं परेशान

सीएम राइज योजना के तहत विद्यालयों से 15 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले बच्चों के लिए बस सुविधा की व्यवस्था होनी थी। इसके लिए विद्यालयों ने रूट चार्ट बनाकर शासन को भेजे भी, लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद भी यह सेवा शुरू नहीं हो पाई है। नतीजतन दूरदराज से आने वाले बच्चों को आने-जाने में काफी कठिनाई होती है। विद्यालयों के अनुसार प्रत्येक स्कूल के लिए कम से कम दो से तीन बसों की जरूरत होगी।

भवन निर्माण की गति अत्यंत धीमी

जनजातीय कार्य विभाग की देखरेख में संचालित चार सीएम राइज स्कूलों को वर्ष 2024 में तैयार किया जाना था। तय समय पर कार्य पूरा न होने पर एक्सटेंशन दिया गया, परंतु वह भी समाप्त होने को है। ब्योहारी में संचालित विद्यालय को पहले अगस्त 2024 में पूर्ण करना था, फिर समयसीमा जनवरी 2025 और अब जून 2025 कर दी गई है। यह लगातार हो रही देरी छात्रों और विद्यालय प्रशासन दोनों के लिए चिंता का विषय है।

स्टाफ की कमी, पढ़ाई पर पड़ रहा असर

सीएम राइज विद्यालयों में अब तक स्टाफ की स्थायी नियुक्ति नहीं हो पाई है। केवल एक बार स्टाफ पदस्थापना के लिए परीक्षा कराई गई है। फिलहाल पुराने स्टाफ और अतिथि शिक्षकों के सहारे विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। छात्र संख्या के अनुपात में स्टाफ की भारी कमी है, जिससे शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

विद्यालयों में छात्रों और स्टॉफ की वर्तमान स्थिति

वर्तमान में जयसिंहनगर विद्यालय में सबसे अधिक 1675 छात्र और 48 स्टॉफ सदस्य हैं। बुढ़ार विद्यालय में 1125 छात्र तथा 35 स्टॉफ हैं, जबकि ब्यौहारी में 1002 छात्र और 41 स्टॉफ कार्यरत हैं। छतवई विद्यालय में 900 छात्र हैं तथा 39 स्टॉफ सदस्य कार्यरत हैं। गोहपारू विद्यालय में 1153 छात्र और 40 स्टॉफ सदस्य हैं। इस प्रकार, सभी विद्यालयों में छात्र संख्या और स्टॉफ की स्थिति में विविधता पाई जाती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि., प्लॉट नं. 18, इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर म.प्र. से मुद्रित एवं विजय मत भवन, गायत्री मंदिर रोड, वार्ड नं. 13, शहडोल, म.प्र. से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2018/76119, e-mail: vijaymat.sdl@gmail.com